दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 193 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार, 4 जुलाई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अनूपपुर एवं सिंगरौली में विकास कार्यों की देंगे सौगात

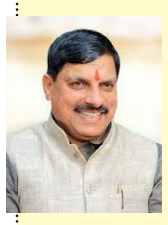

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 जुलाई को अनूपपुर जिले में 443.31 करोड़ रूपये लागत के 114 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण और सिंगरौली में आयोजित कार्यक्रम में 503 करोड़ 9 लाख 19 हजार रूपये लागत के 54 विकास कार्यों की सौगात देंगे।

कोतमा में लोकार्पण-भूमिपूजन - मुख्यमंत्री डॉ. यादव अनूपपुर जिले के कोतमा में आयोजित कार्यक्रम में जल संसाधन एक, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 28, राजस्व के एक, लोक शिक्षण/स्कूल शिक्षा के 2, राज्य शिक्षा केंद्र के 21, लोक निर्माण विभाग के 2, नगरीय प्रशासन एवं विकास के 3, जनजातीय कार्य के एक, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के एक और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के एक कुल 61 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। जिनकी अनुमानित लागत 365.39 करोड़ रुपये है। साथ ही 9 विभागों के 53 कार्यों जिनकी लागत 77.92 करोड़ रुपये है का लोकार्पण करेंगे।

सिंगरौली जिले में लोकार्पण और शिलान्यास - मुख्यमंत्री सिंगरौली जिले के सरई में हायर सेकण्डरी स्कूल परिसर में जनजातीय और महिला सम्मेलन में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री सम्मेलन में सिंगरौली जिले को 503 करोड़ 9 लाख 19 हजार रुपए के 54 निर्माण कार्यों की सौगात देंगे। समारोह में मुख्यमंत्री 104 करोड़ 67 लाख 26 हजार रुपए की लागत के 20 निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री 398 करोड़ 41 लाख 93 हजार रुपए की लागत के 34 निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे।

खुशखबरी! जब्त नहीं होगी आपकी पुरानी गाड़ी, पुराने वाहनों पर बैन को लेकर दिल्ली सरकार का यू-टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी | सिरसा ने लोगों में असंतोष को स्वीकार किया और कहा कि सरकार उनके साथ खड़ी है। इसके बाद उन्होंने घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी में पुराने वाहनों को जब्त नहीं किया जाएगा।

बढ़ती जन चिंता के बीच, दिल्ली सरकार ने एंड ऑफ लाइफ व्हीकल (ईओएल) जब्त करने की नीति को लागू होने के दो दिन बाद ही स्थगित कर दिया है। यह कदम राष्ट्रीय राजधानी में 'एंड ऑफ लाइफ व्हीकल (ईओएल) के लिए ईंधन प्रतिबंध पर निवासियों की व्यापक प्रतिक्रिया और विपक्षी नेताओं की आलोचना के बाद उठाया गया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को पत्र लिखकर शहर में ईओएल वाहनों को ईंधन न देने के निर्देश को स्थगित करने को कहा है।

सिरसा ने लोगों में असंतोष को स्वीकार किया और कहा कि सरकार उनके साथ खड़ी है। इसके बाद उन्होंने घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी में पुराने वाहनों को जब्त नहीं किया जाएगा। सिरसा ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि पुराने वाहनों को मनमाने ढंग से जब्त नहीं किया जाएगा। हम पुराने वाहनों को जब्त नहीं होने देंगे। साथ ही, हम दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

» मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की नगरीय विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा

नगरीय क्षेत्रों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने कार्य-योजना बनाई जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के दृष्टिगत किफायती और सुविधाजनक आवास सुविधा विकसित हो

» भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का करवाएं सर्वेक्षण

» दीनदयाल रसोई योजना के प्रबंधन में सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं को जोड़ा जाए

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से, लोगों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए किफायती और सुविधाजनक आवास सुविधा विकसित करने कार्य-योजना बनाई जाए। नगरीय क्षेत्र में पर्यावरण की बेहतरी के लिए उद्यानों को विकसित करना और विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड सहित सभी आवासीय परियोजनाओं में पौध-रोपण को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का सर्वेक्षण करवा कर उन पर कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नगरीय विकास एवं आवास विभाग की मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में कॉलोनियों के विकास में देश के प्रतिष्ठित बिल्डर्स एंड कॉलोनाईजस को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाली आकस्मिक घटनाओं पर नियंत्रण के लिए अग्निशमन सेवा का आधुनिकीकरण तत्काल किया जाए। अंतर्शहरी क्षेत्र में रेल सेवा के विस्तार के लिए नमो ट्रेन की योजना तैयार की जाए। जल्द ही इस पर केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा कर मदद ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को प्राथमिकता के आधार पर आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश में मीट-मछली के दुकानदारों को व्यवस्थित करने और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने के लिए नगरीय निकायों को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार्मिक क्षेत्रों में दीनदयाल रसोई योजना के विस्तार पर जोर दिया।

उप मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा की

वृक्षारोपण में आमजनों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाय : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

» रीवा शहर में एक लाख पौधे लगाये जायेंगे

• रीवा, प्रतिनिधि

रीवा | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में वृहद वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि रीवा को हराभरा बनाने के लिये चयनित स्थलों में एक लाख पौधे लगाये जायेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वृक्षारोपण से पूर्व की सभी तैयारियाँ पूर्ण करने तथा आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चयनित किये गये स्थलों में व्यापक पैमाने पर छायादार, फलदार औषधीय पौधों का वृक्षारोपण करते हुए सड़क के किनारे भी वृक्षारोपण करें तथा पूर्व के रोपित पौधों के रिक्त भूमि में भी वृक्षारोपण कर गैप फिलिंग करें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि व्यापक पैमाने पर किये गये वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलित होगा तथा सड़क के किनारे किये गये वृक्षारोपण से शहर की सुंदरता बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वृक्षारोपण सामाजिक दायित्व के साथ पुण्य का भी कार्य है। इससे आमजनों, व्यापारी संगठनों, स्वयंसेवी संगठनों सहित अन्य लोगों को भी जोड़े। उन्होंने रोपित पौधों की पूर्ण सुरक्षा के इंतजाम किये जाने के भी निर्देश दिये।

बताया गया कि पशु चिकित्सा महाविद्यालय में 40 हजार, लक्ष्मणबाग की भूमि में 20 हजार, पीटीएस एवं इंजीनियरिंग कालेज कैम्पस में 15-15 हजार तथा रतहरा कैनाल ट्रैक में दस हजार वृक्षारोपण की कार्ययोजना बनाई गयी है। साथ ही शहर की सड़कों के किनारे भी वृक्षारोपण किया जायेगा। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष में अधिकारियों की बैठक ली

प्रदेश में बाढ़ नियंत्रण के सभी एहतियाती उपाय करें : जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि विभागीय अधिकारी प्रदेश में बांधों एवं जलाशयों में जल भराव की स्थिति की निरंतर निगरानी करें और बाढ़ नियंत्रण के सभी एहतियाती उपाय करें. संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर आपदा प्रबंधन और नियंत्रण के सभी प्रयास करें. प्रदेश में कहीं से भी अतिवृष्टि अथवा बाढ़ की स्थिति की सूचना मिलने पर तत्परता के साथ कार्रवाई करें।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने गुरुवार को मुख्य अभियंता, बोधी कार्यालय स्थित राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक में प्रदेश में वर्षा एवं जल संरचनाओं में जल भराव की स्थिति की समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए.

इस अवसर पर मुख्य अभियंता, बोधी श्री आर. डी. अहिरवार, अधीक्षण यंत्री, संचालक बाढ़ नियंत्रण कक्ष एवं सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि रिजर्वॉयर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम में चिन्हित प्रदेश के 286 प्रमुख बांधों में से आज की स्थिति में 6 जलाशयों में 90% से अधिक, 07 में 75% से 90% तक, 22 जलाशयों में 50% से 75% तक, 43 जलाशयों में 25% से 50% तक, 52 जलाशयों में 10% से 25% तक तथा 156 जलाशयों में 10% से कम जल भराव है।

आत्मनिर्भरता की ओर एक और बड़ा कदम, रक्षा मंत्रालय ने दी 1.05 लाख करोड़ की खरीद को मंजूरी

• नई दिल्ली, एजेंसी

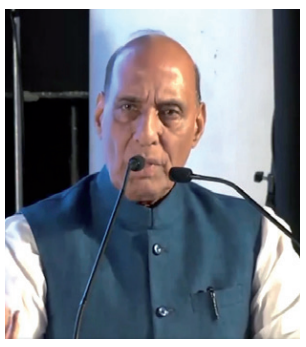

नई दिल्ली | एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ये सभी खरीद स्वदेशी रूप से की जाएंगी, जिससे रक्षा उत्पादन में 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने गुरुवार को लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 10 पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ये सभी खरीद स्वदेशी रूप से की जाएंगी, जिससे रक्षा उत्पादन में 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

इन स्वीकृतियों में रक्षा संबंधी महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। बयान में कहा गया है कि खरीद के लिए स्वीकृत की गई प्रमुख वस्तुओं में बख्तरबंद रिकवरी वाहन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, तीनों सेनाओं के लिए एकीकृत कॉमन इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें शामिल हैं। इन प्रणालियों का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों की गतिशीलता, वायु रक्षा क्षमताओं और रसद दक्षता को बढ़ाना है, जिससे अंततः उनकी समग्र परिचालन तैयारियों को बढ़ावा मिलेगा।

घाना की संसद में बोले पीएम मोदी, लोकतंत्र हमारे लिए सिस्टम नहीं, संस्कार है

• नई दिल्ली, एजेंसी

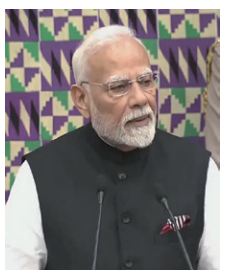

नई दिल्ली| नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कल शाम का अनुभव बहुत ही मार्मिक था, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति जॉन महामा से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना सम्मान की बात है...भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घाना गणराज्य की संसद को संबोधित किया। घाना गणराज्य की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना को प्रसारित करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में, मैं अपने साथ 1.4 बिलियन भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूँ। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी मिट्टी के नीचे जो कुछ है, बल्कि आपके दिल में जो गर्मजोशी और ताकत है, उसके लिए भी।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कल शाम का अनुभव बहुत ही मार्मिक था, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति जॉन महामा से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना सम्मान की बात है...भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर को जान से मारने की धमकी, कहा- 'ज्यादा होशियारी करने की...'

• वंदावन, एजेंसी

वृंदावन | देवकीनंदन ठाकुर के भाई और मंदिर के सचिव विजय शर्मा ने इस मामले में स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है. वृंदावन के प्रियाकांत जू मंदिर के संस्थापक और प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है. इस बार धमकी मंदिर कार्यालय के फोन पर एक ऑडियो मैसेज के जरिए दी गई, जिसमें धमकाने वाले ने चेतावनी दी कि ज्यादा होशियारी न करें. देवकीनंदन महाराज एक महीने के भीतर उड़ाने की बात कही है. वहीं इस धमकी को लेकर देवकीनंदन ठाकुर के अनुयायियों और मंदिर से जुड़े लोगों में भय और चिंता पैदा कर दी है. देवकीनंदन ठाकुर के भाई और मंदिर के सचिव विजय शर्मा ने इस मामले में स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है.

विश्व शान्ति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव विजय कुमार शर्मा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा को शिकायत दी है. इस शिकायत में उन्होंने बताया कि धर्मगुरु सुप्रसिद्ध भागवत प्रवक्ता देवकीनंदन ठाकुर महाराज के छटीकरा वृन्दावन रोड़ स्थित प्रियाकांत जु मंदिर, कार्यालय के मोबाइल नंबर 7351113331 के WhatsApp पर किसी व्यक्ति द्वारा आज दिनांक 03/07/2025 को समय दोपहर 3.25 के करीब किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा 9892941029 इस मोबाइल नंबर से वॉयस मैसेज भेजा गया है. जिसमें कि उक्त व्यक्ति महाराज जी को एक महीने में उड़ाने की धमकी दे रहा है. पुलिस को दिए गए लेटर में बताया गया कि वह व्यक्ति धमकी देते हुए बोल रहा है कि ज्यादा होशियारी न करें और ना ही इसको कहीं भेजे नहीं तो अंजाम बहुत बुरा होगा. महोदय इस तरह जान से मारने की धमकियां पूर्व में भी कई बार महाराज श्री को मिल चुकी हैं, जिसकी शिकायत कई बार की गई है. पूर्व में एक बार उनकी गाड़ी पर हमला भी हो चुका है. इस तरह की धमकियों से सभी अनुयायियों एवं परिवार में भय का माहौल बना रहता है. आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं कि इस मामले का संज्ञान लेते हुए उक्त व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कर महाराज श्री की जान माल की रक्षा करने की कृपा करें आपकी अति कृपा होगी.

अंतरिक्ष में इसरो भेजेगा ऐसी सैटेलाइट, भूकंप हो या कोई प्राकृतिक आपदा, पहले चल जाएगा पता

भारत और अमेरिका का संयुक्त मिशन NISAR जुलाई के अंत तक लॉन्च होने जा रहा है. यह दुनिया का सबसे महंगा पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह होगा, जो दोहरे SAR रडार तकनीक से लैस है.

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | पृथ्वी की सतह की निगरानी, भूकंप और भूस्खलन जैसी आपदाओं का सटीक पूर्वानुमान और पर्यावरणीय बदलावों की विस्तार से जानकारी अब जल्द ही भारत-अमेरिका के संयुक्त अंतरिक्ष मिशन 'निसार' (NISAR) के जरिए संभव होगी.

नासा और इसरो के इस संयुक्त मिशन की लॉन्चिंग जुलाई 2025 के अंत तक आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से GSLV रॉकेट के माध्यम से की जाएगी. इसकी कुल लागत करीब 1.5 अरब डॉलर (लगभग 12,500 करोड़ रुपये) है, जिससे यह दुनिया का सबसे महंगा अर्थ इमेजिंग सैटेलाइट बन गया है.

कैसे काम करेगा निसार?

निसार सैटेलाइट को खास बनाने वाली इसकी दोहरी आवृत्ति वाली रडार तकनीक है. इसमें दो अलग-अलग रडार लगे हैं-

• पहला S-बैंड रडार जिसे ISRO के अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (SAC) ने बनाया है.

• दूसरा L-बैंड रडार, जिसे NASA की कैलिफोर्निया स्थित जेट प्रपल्शन लैब (JPL) ने तैयार किया है.

• दोनों रडार मिलकर पृथ्वी की सतह पर सूक्ष्म बदलाव, ध्रुवीय बर्फ, ग्लेशियरों की गतिविधि, ज्वालामुखी, भूस्खलन और • भूकंप जैसे घटनाओं पर नजर रखेंगे. यह तकनीक "सिंथेटिक एपर्चर रडार (SAR)" पर आधारित है.

इसरो - नासा की साझेदारी

इस अभूतपूर्व मिशन की नींव 2012 में ISRO और NASA के बीच बातचीत से रखी गई थी. 2014 में दोनों एजेंसियों के बीच आधिकारिक समझौता हुआ, जिसके तहत एक रडार भारत में और दूसरा अमेरिका में तैयार किया जाना तय हुआ. अहमदाबाद के SAC सेंटर के डायरेक्टर डॉ. निलेश देसाई के मुताबिक, यह भारत की तकनीकी प्रगति का प्रतीक है, जिसमें हमारा पहला एक्टिव रडार 2012 में लॉन्च हुआ था और साढ़े चार साल तक सफलतापूर्वक काम करता रहा.

NASA ने भारत की SAR तकनीक से प्रभावित होकर मिलकर नया और अधिक आधुनिक उपग्रह विकसित करने का प्रस्ताव रखा. NASA के पास उस वक्त 'स्वीप SAR टेक्नोलॉजी' थी, जो सामान्य SAR के मुकाबले बेहतर रिजॉल्यूशन और कवरेज देती है.

होटल में युवती के साथ मिले साहिल को पीटा

उज्जैन में लड़की बोली- डरा-धमकाकर ले गया, केस दर्ज कराया, बजरंगियों ने तोड़फोड़ भी की

उज्जैन (संवाददाता)। उज्जैन के घिनोदा गांव के एक होटल में युवती के साथ मिले साहिल नाम के युवक की लोगों ने पिटाई कर दी। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पहले साहिल की लात-घूंसों और बेल्ट से पिटाई की, फिर होटल में तोड़फोड़ कर दी। कुर्सियां और अन्य सामान फेंककर उत्पात मचाया, जिससे डरकर होटल कर्मचारी भाग गए। पुलिस के मुताबिक, पल्या रोड निवासी साहिल शेख मंगलवार को एक युवती को घिनोदा के गायत्री होटल लेकर पहुंचा था। इसकी जानकारी बजरंग दल कार्यकर्ताओं को मिल गई, जिसके बाद 6-7 कार्यकर्ता होटल पहुंच गए।

कमरे खुलवाकर देखे, अंदर युवक-युवती मिले

होटल मोकड़ी गांव के राजेंद्र गुर्जर का है, जिसे झिरनिया निवासी यूसुफ चला रहा था। होटल पहुंचे बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने कई कमरे खुलवाकर देखे। एक कमरे में युवक-युवती के

मिलने पर कार्यकर्ता खिड़की से कमरे में घुस गए और युवक साहिल की जमकर पिटाई की। इस दौरान साहिल हाथ जोड़कर माफी मांगता रहा। वह कहता रहा कि आगे से ऐसा नहीं करेगा, लेकिन कार्यकर्ता उसे बेल्ट से पीटते हुए नीचे ले आए।

पुलिस बोली- यूसुफ, साहिल के खिलाफ कार्रवाई करेंगे

पुलिस के आने से पहले ही वीएचपी और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने होटल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी आकांक्षा बिछोटे और थाना प्रभारी धन सिंह नलवाया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने होटल संचालक यूसुफ और युवक साहिल के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया।

युवती के बयान पर साहिल के खिलाफ केस दर्ज

थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर पल्या रोड नागदा निवासी साहिल शेख के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(जे), 64(2)(एम), 351(2), 49 के तहत केस दर्ज किया गया है।

लव जिहाद के आरोप में 3 लड़कों को पीटा

उज्जैन में हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने तीन युवकों को दो हिंदू नाबालिग लड़कियों के साथ पकड़ लिया। इसके बाद उनकी वहीं पर जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंची और तीनों लड़कों को थाने लेकर आई। मोबाइल में कई लड़कियों के साथ उनके फोटो, फर्जी इंस्टा आईडी और लड़कियों से चैटिंग मिली।

विधायक विपिन जैन ही जिला अध्यक्ष रहेंगे या पर्यवेक्षक की रायशुमारी से नया नाम घोषित होगा!

मंदसौर जिला कांग्रेस संगठन के नए पदाधिकारीयों को बनाने की प्रक्रिया संगठन सृजन अभियान के तहत जारी है। केंद्रीय पर्यवेक्षक मनीष यादव सप्ताह भर से जिले के ब्लॉक मंडल स्तर तक के कार्यकर्ताओं से रूबरू वार्तालाप करके गए हैं। कुछ को पद चाहने वालों ने तैयार कर अपना नाम रखने के लिए भेजा था भले ही खुद उपयुक्त प्रत्याशी ना हो तब भी। दूसरे ऐसे प्रतिस्पर्धी भी थे जिनकी जनसाख बेहतर है कार्यकर्ता भी स्वप्रेरित हो उनके नाम का समर्थन करने पहुंचे थे। कांग्रेस हाईकमान ने जिला अध्यक्षों के लिए 6 वर्गों के सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम केंद्रीय पर्यवेक्षक से मंगाए हैं । दुविधा जनक की स्थिति यह है कि किसी भी वर्ग में तो एक भी नाम जिला अध्यक्ष लायक समर्थन नहीं जुटा पाया तो किसी वर्ग में 3 से अधिक नाम सतही प्रतिस्पर्धा में छट कर सामने आए हैं। ऐसी स्थिति लगभग सभी जिलों में रही होगी। मंदसौर जिला अध्यक्ष रहते विपिन जैन ने विधायक बनते ही संगठन को नया अध्यक्ष चुनने के लिए इस्तीफा भेज दिया था। प्रक्रिया पिछले 2 महीने से चल रही है केंद्रीय पर्यवेक्षक ने तो सारी प्रक्रिया पूरी कर ली है। बस नेतृत्व को अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे उसके बाद नए अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला कांग्रेस गठन की तैयारी शुरू हो जाएगी । जिन 6 वर्गों के नाम कांग्रेस की गाइडलाइन अनुसार पर्यवेक्षकों को देखने थे उनमें से जिले में अनुसूचित जाति कार्यकर्ताओं ने आंशिक उपस्थिति दर्ज कराई थी जनजाति वर्ग की उपस्थिति न के बराबर थी। सबसे अधिक स्पर्धा पिछड़ा वर्ग से सामने आई है। सामान्य वर्ग ने भी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है वर्तमान अध्यक्ष विधायक विपिन जैन सामान्य और अल्पसंख्यक कोटा से हैं। इसी स्तर के जिला अध्यक्ष की दौड़ में सोमिल नाहटा और मनजीत सिंह मणि है। जबकि पिछड़ा वर्ग से राकेश पाटीदार, दीपक चौहान, महेंद्र गुर्जर में कड़ी स्पर्धा है। इनमें से दीपक गुर्जर और राकेश पाटीदार ग्रामीण अंचल के सक्रिय और लोकप्रिय नेता हैं। महेंद्र गुर्जर राकेश पाटीदार दो बार के हारे हुए विधायक प्रत्याशी हैं। जबकि दीपक गुर्जर वर्तमान जिला पंचायत के वार्ड नंबर 6 से निर्वाचित सदस्य है। लोकप्रियता के दृष्टिकोण से देखा जाए तो दीपक चौहान दोनों से बेहतर अंक लिए हुए हैं। कारण साफ है महेंद्र गुर्जर मंदसौर से पहले विधानसभा चुनाव में 1585 मतों से और दूसरा 22 हजार मतों से हारे हैं। यानी समय अंतराल में अलोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा लिया। इसी तरह राकेश पाटीदार सुवासरा से उपचुनाव में 29 हजार से और बीता विधानसभा चुनाव 23हजार मतों से हारे हैं यानी लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ाया है। यह आंकड़े दोनो की लोकप्रियता का ग्राफ उजागर कर रहे हैं। महिला कार्यकर्ताओं में इष्टा भाचावत और रूपल संचेती में सतही प्रतिस्पर्धा नजर आ रही है। जिले के राजनीतिक वातावरण और कांग्रेस हाई कमान की गाइडलाइन के कारण महिला वर्ग से भी सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम चयन करना है। पर पुरुष वर्ग की तरह सभी ब्लॉकों से महिला अध्यक्ष के लिए व्यापक समर्थन नजर नहीं आया है। कुल मिलाकर इस काम को हाई कमान को निष्पक्ष नेतृत्व की तरह दायित्व निभाना कर करना था। बचने के लिए जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया जिम्मेदारी पर्यवेक्षकों पर ढोल दी। जबकि घोषणा हाइकमान ही करने वाला है। और कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि पर्यवेक्षक को बस मोहरा बनाया जाता है सिर्फ यह दिखाने के लिए की पारदर्शिता के साथ सभी वर्ग के कार्यकर्ताओं के साथ को साथ रख निष्पक्ष निर्णय लिया गया है !

महाकाल मंदिर के आसपास के रेस्टोरेंट-होटल से चावल और पनीर के नमूने लिए

उज्जैन (संवाददाता)। श्री महाकालेश्वर मंदिर के आसपास स्थित रेस्टोरेंट-भोजनालय- होटल पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधीय प्रशासन की टीम ने जांच कर खाद्य सामग्री के नमूने लिए। स्वागत रेस्टोरेंट से पनीर का नमूना, श्रीजी फूड्स पराठा दास से पके हुए चावल का नमूना, जैन आहार रेस्टोरेंट व नीता फूड्स से पनीर के नमूने लेकर जांच के लिए राज्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए। इन स्थानों पर कई प्रकार की लापरवाही भी पाई गई। जैसे कि स्वागत रेस्टोरेंट पर खाद्य पदार्थ खुले में रखे पाए गए। स्वच्छता पर्याप्त नहीं थी। श्रीजी फूड्स पर खाद्य पदार्थ का रखरखाव सही नहीं था। फ्रीज में रात का पका हुआ चावल रखा था। शंख रेस्टोरेंट पर लाइसेंस प्रदर्शित नहीं था। कर्मचारियों द्वारा केप, एप्रिन नहीं पहने हुए थे। होटल जैन आहार पर खाद्य पदार्थ का रखरखाव तरीके नहीं था। कर्मचारियों का मेडिकल नहीं करवाया गया था। नीता फूड्स के भी कर्मचारियों का मेडिकल नहीं होना पाया गया। पेस्ट कंट्रोल, लाइसेंस प्रदर्शित नहीं किया जा रहा था। पावभाजी का मसाला फ्रेश नहीं था।

शहर के ट्रैफिक सिग्नल बंद

उज्जैन । शहर के मुख्य चौराहों के ट्रैफिक सिग्नल पिछले कुछ दिनों से बंद या अनियंत्रित है। इसके चलते वाहन चालकों को खासी परेशानी झेलना पड़ रही है। चौराहों पर यातायात भी नियंत्रण में नहीं रहता है। इस संबंध में ट्रैफिक सिग्नलों को ऑपरेट करने वाली स्मार्ट सिटी के अधिकारी सचिन जैन ने स्पष्ट किया कि शहर के करीब 16 चौराहों की व्यवस्था उनके पास है। बारिश में इन ट्रैफिक सिग्नल का मेंनटनेंस किया जा रहा है। ये हर बार की रूटीन प्रक्रिया है। मेंटेनेंस का अधिकांश काम पूरा हो गया है। एक सप्ताह के भीतर सभी सिग्नल पहले की तरह नियंत्रित होकर संचालित होने लगेंगे।

महाकाल सवारी मार्ग में 1900 बैरिकेड्स लगेंगे

उज्जैन (संवाददाता)। भगवान महाकाल की सवारी मार्ग में बैरिकेडिंग के लिए लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) ने तैयारी शुरू कर दी है। इसमें दो तरह के बैरिकेड्स उपयोग किए जाएंगे- हैवी और सामान्य। पूरे मार्ग में करीब 1900 बैरिकेड्स लगाए जाएंगे। लोनिवि के कार्यपालन यंत्री गौतम अहिरवार ने बताया टेंडर कॉल कर बैरिकेडिंग की प्रक्रिया पूरी करवाई जा रही है। शुरुआत में साढ़े चार किमी लंबे सवारी के रूट में बैरिकेडिंग की जाएगी। बाद में शाही सवारी में ये रूट बढ़कर साढ़े छह किमी हो जाएगा। सवारी मार्ग के रूट में हरसिद्धि की पाल, रामघाट, गणगौर दरवाजा, कमरी मार्ग की गलियों वाले स्थान और महाकाल चौक से गुदरी चौराहा तक ये ऐसे स्थान हैं, जहां भीड़ ज्यादा रहती है। इसलिए इन स्थानों पर साढ़े पांच फीट ऊंचाई वाले हैवी बैरिकेड्स लगाए जाएंगे।

बाकी के रूट में सामान्य व साढ़े चार फीट के डबल बैरिकेड्स लगाए जाएंगे। पहली सवारी 14 जुलाई व राजसी 18 अगस्त को श्रावण में 4 और भादौ माह में 2 सवारियां निकलेंगी। पहली सवारी 14 जुलाई सोमवार को, दूसरी 21 को, तीसरी 28 को, चौथी 4 अगस्त को निकाली जाएंगी।

रीवा में 4 निगम कर्मचारियों पर फेंका था तेजाब-न्यायालय ने सुनाई 10 वर्ष की सजा, नवंबर 2023 के मामले में फैसला

रीवा (संवाददाता)। रीवा के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मलियान टोला में दो साल पहले हुए तेजाबकांड में कोर्ट ने मुख्य आरोपी कृष्णा मुरारी सोनी उर्फ कृष्णा सोनी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त लोक अभियोजन डीएन मिश्रा ने बताया कि 14 नवंबर 2023 को आरोपी कृष्णा सोनी ने पड़ोसी अंशु सिंह बघेल से विवाद के बाद नगर निगम के कर्मचारी शाहिद बाल्मीकि, निशांत बाल्मीकि, अजय बाल्मीकि और समीर बाल्मीकि पर तेजाब फेंक दिया था। इस घटना में चारों युवक गंभीर रूप से झुलस गए थे। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाकर गिरफ्तार किया। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने गवाहों और सबूतों के आधार पर इसे गंभीर अपराध मानते हुए कृष्णा सोनी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। तेजाबकांड की यह घटना तरहटी मोहल्ले के मलियान टोला की है। आरोपी कृष्णा सोनी का पड़ोसी अंशु सिंह से मामूली विवाद हुआ था। विवाद शांत कराने आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी अपने घर गया और तेजाब से भरी बोतल लाकर भीड़ पर फेंक दी। इसमें 4 लोग झुलस गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां उसे दोषी करार देते हुए सजा सुनाई गई।

जिला अध्यक्ष का चयन पर्यवेक्षक की पैनल से होगा या संगठन के इशारे पर !

मंदसौर जिला कांग्रेस संगठन के नए पदाधिकारीयों को बनाने की प्रक्रिया संगठन सृजन अभियान के तहत जारी है। केंद्रीय पर्यवेक्षक मनीष यादव सप्ताह भर से जिले के ब्लॉक मंडल स्तर तक के कार्यकर्ताओं से रूबरू वार्तालाप करके गए हैं। कुछ को पद चाहने वालों ने तैयार कर अपना नाम रखने के लिए भेजा था भले ही खुद उपयुक्त प्रत्याशी ना हो तब भी। दूसरे ऐसे प्रतिस्पर्धी भी थे जिनकी जनसाख बेहतर है कार्यकर्ता भी स्वप्रेरित हो उनके नाम का समर्थन करने पहुंचे थे। कांग्रेस हाईकमान ने जिला अध्यक्षों के लिए 6 वर्गों के सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम केंद्रीय पर्यवेक्षक से मंगाए हैं । दुविधा जनक की स्थिति यह है कि किसी भी वर्ग में तो एक भी नाम जिला अध्यक्ष लायक समर्थन नहीं जुटा पाया तो किसी वर्ग में 3 से अधिक नाम सतही प्रतिस्पर्धा में छट कर सामने आए हैं। ऐसी स्थिति लगभग सभी जिलों में रही होगी। मंदसौर जिला अध्यक्ष रहते विपिन जैन ने विधायक बनते ही संगठन को नया अध्यक्ष चुनने के लिए इस्तीफा भेज दिया था। प्रक्रिया पिछले 2 महीने से चल रही है केंद्रीय पर्यवेक्षक ने तो सारी प्रक्रिया पूरी कर ली है। बस नेतृत्व को अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे उसके बाद नए अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला कांग्रेस गठन की तैयारी शुरू हो जाएगी । जिन 6 वर्गों के नाम कांग्रेस की गाइडलाइन अनुसार पर्यवेक्षकों को देखने थे उनमें से जिले में अनुसूचित जाति कार्यकर्ताओं ने आंशिक उपस्थिति दर्ज कराई थी जनजाति वर्ग की उपस्थिति न के बराबर थी। सबसे अधिक स्पर्धा पिछड़ा वर्ग से सामने आई है। सामान्य वर्ग ने भी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है वर्तमान अध्यक्ष विधायक विपिन जैन सामान्य और अल्पसंख्यक कोटा से हैं। इसी स्तर के जिला अध्यक्ष की दौड़ में सोमिल नाहटा और मनजीत सिंह मणि है। जबकि पिछड़ा वर्ग से राकेश पाटीदार, दीपक चौहान, महेंद्र गुर्जर में कड़ी स्पर्धा है। इनमें से दीपक गुर्जर और राकेश पाटीदार ग्रामीण अंचल के सक्रिय और लोकप्रिय नेता हैं। महेंद्र गुर्जर राकेश पाटीदार दो बार के हारे हुए विधायक प्रत्याशी हैं। जबकि दीपक गुर्जर वर्तमान जिला पंचायत के वार्ड नंबर 6 से निर्वाचित सदस्य है। लोकप्रियता के दृष्टिकोण से देखा जाए तो दीपक चौहान दोनों से बेहतर अंक लिए हुए हैं। कारण साफ है महेंद्र गुर्जर मंदसौर से पहले विधानसभा चुनाव में 1585 मतों से और दूसरा 22 हजार मतों से हारे हैं। यानी समय अंतराल में अलोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा लिया। इसी तरह राकेश पाटीदार सुवासरा से उपचुनाव में 29 हजार से और बीता विधानसभा चुनाव 23हजार मतों से हारे हैं यानी लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ाया है। यह आंकड़े दोनो की लोकप्रियता का ग्राफ उजागर कर रहे हैं। महिला कार्यकर्ताओं में इष्टा भाचावत और रूपल संचेती में सतही प्रतिस्पर्धा नजर आ रही है। जिले के राजनीतिक वातावरण और कांग्रेस हाई कमान की गाइडलाइन के कारण महिला वर्ग से भी सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम चयन करना है। पर पुरुष वर्ग की तरह सभी ब्लॉकों से महिला अध्यक्ष के लिए व्यापक समर्थन नजर नहीं आया है। कुल मिलाकर इस काम को हाई कमान को निष्पक्ष नेतृत्व की तरह दायित्व निभाना कर करना था। बचने के लिए जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया जिम्मेदारी पर्यवेक्षकों पर ढोल दी। जबकि घोषणा हाइकमान ही करने वाला है। और कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि पर्यवेक्षक को बस मोहरा बनाया जाता है सिर्फ यह दिखाने के लिए की पारदर्शिता के साथ सभी वर्ग के कार्यकर्ताओं के साथ को साथ रख निष्पक्ष निर्णय लिया गया है !

उज्जैन शहर को मिली बड़ी सौगात-मेडिकल कॉलेज में कैंसर मरीजों को मिलेगी सकेगी रेडियो थेरेपी

एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड ने दी स्वीकृति

उज्जैन (संवाददाता)। उज्जैन में 592 करोड़ रुपए में बन रही मेडिसिटी (मेडिकल कॉलेज) के बन जाने के बाद कैंसर के मरीजों को लिए रेडियो थेरेपी भी हो सकेगी। यहां के मरीजों को अब इंदौर या अहमदाबाद नहीं जाना होगा। इसके लिए AERB द्वारा मेडिकल एक्सीलेरेटर इंस्टॉलेशन के लिए साइट एवं लेआउट स्वीकृति मिल गयी है। मध्य प्रदेश की पहली मेडिसिटी उज्जैन में बन रही है। इसमें मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त नर्सिंग कॉलेज, पैरामेडिकल कॉलेज, अनुसंधान सुविधा के अतिरिक्त डॉक्टर, अधिकारी-कर्मचारियों के लिए आवास उपलब्ध रहेंगे। लेकिन अब इसमें नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (AERB) द्वारा मेडिकल एक्सीलेरेटर की स्थापना के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज स्वीकृति मिल गई है। उज्जैन में इस थेरपी के लिए साइट एवं ले आउट फाइनल हो चुका है। अब जल्द ही मेडिकल कॉलेज के साथ कैंसर मरीजों के यहां बड़ी राहत मिल सकेगी।

शहर को बड़ी सौगात

उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह ने बताया कि शहर को बड़ी सौगात मिली है। यहां पर कैंसर मरीजों को अब रेडियो थेरेपी (सिकाई) के लिए अन्य बड़ो शहरों में चक्कर नहीं लगाने होंगे। कॉलेज में बाद में बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। कॉलेज 592 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा।

डॉ जितेंद्र शर्मा ने बताया की ये बड़ी खबर है शहर के लिए कैंसर के मरीजों के लिए पहले से थेरेपी की सुविधा तो थी लेकिन अब रेडियो थैरेपी की सुविधा मिलने लगेगी जिससे मरीजों को दूर दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना होगा।

इन शर्तों का पालन करना होगा-

AERB ने जो स्वीकृति पत्र भेजा है उस निर्माण कार्य में एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड की तकनीकी शर्तों के अनुरूप बनाए जाने के निर्देश दिए है जिसमें रोगियों और स्टाफ की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की, श्वत्रक्क ने रेडिएशन सुरक्षा के सभी मानकों जैसे कि RCC निर्माण, CCTV मॉनिटरिंग, सुरक्षा चेतावनी लाइट्स, इलेक्ट्रिकल इंटरलॉक, एसी डक्टिंग, और आवश्यक सीलिंग मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

महाकाल मंदिर क्षेत्र से हटाया अतिक्रमण-उज्जैन पुलिस ने दिखाई सख्ती, बाहर रखे बोर्ड, टेबल और सामान किए जब्त

उज्जैन (संवाददाता)। महाकाल मंदिर क्षेत्र में प्रतिदिन लगने वाले जाम की समस्या को देखते हुए नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण को सख्ती से हटा दिया। मंगलवार शाम को हुई कार्रवाई में महाकाल मंदिर के आसपास मुख्य मार्गों पर लगे दुकानों और होटलों के अवैध बोर्ड, टेबल और अन्य अतिक्रमण हटाए गए। उज्जैन नगर निगम की टीम ने यह कार्रवाई भारत माता मंदिर से महाकाल चौराहा, कोट मोहल्ला और हरसिद्धि चौराहा क्षेत्र में की है। इन स्थानों पर फुटपाथ और सड़क के किनारे अतिक्रमण कर यातायात को बाधित किया जा रहा था, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता था। कार्रवाई के दौरान नगर निगम और महाकाल थाना की टीम ने होटल और दुकान संचालकों को चेतावनी दी की दोबारा अतिक्रमण किया गया या बोर्ड, टेबल आदि से यातायात में बाधा पहुंचाई गई तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। टीम ने मौके से कई बोर्ड, टेबल व अन्य सामग्री जब्त किए है। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि महाकाल क्षेत्र में दर्शनार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सावन माह ऐसे में अतिक्रमण यातायात में बाधा डालता है और किसी भी आपात स्थिति में परेशानी खड़ी कर सकता है।

रीवा में जमीनी विवाद में तलवार लहराई

रीवा । रीवा के सेमरिया तहसील स्थित भमरा गांव में शासकीय जमीन पर कब्जे को लेकर बुधवार को दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष के लोग तलवार लेकर पहुंचे और जमकर हंगामा किया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना में आदिवासी परिवार को बेदखल करने के लिए गांव के दबंगों द्वारा धमकाने का आरोप है। विवाद उस समय शुरू हुआ जब एक पक्ष ट्रैक्टर लेकर जमीन की जुताई करने पहुंचा और दूसरा पक्ष तलवार लेकर वहां आ गया। पीड़ितों की शिकायत पर एडिशनल एसपी विवेक लाल के निर्देश पर थाना प्रभारी विकास कपीस ने शंकर मिश्रा और मन्नू पांडेय के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। दोनों पक्ष एक-दूसरे के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। थाना प्रभारी विकास कपीस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

होटल संचालकों की नेमप्लेट अनिवार्य करने की मांग

धार्मिक संगठनों ने उठाया मुद्दा, कहा- कांवड़ के रास्तों पर हिंदू नाम से चल रहीं मुस्लिम संचालकों की दुकानें

उज्जैन (संवाददाता)। सावन माह शुरू होने से पहले उज्जैन में धार्मिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि महाकाल मंदिर जाने वाले रास्तों पर जितने भी होटल और रेस्टोरेंट हैं, उनके बाहर मालिक का नाम साफ-साफ लिखा जाए। धार्मिक संगठनों का कहना है कि कई होटल मुस्लिम संचालकों के हैं, लेकिन उनके नाम हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर रखे गए हैं।

ऐसे में सावन जैसे पवित्र महीने में जब लाखों श्रद्धालु उज्जैन आते हैं, तो उन्हें यह पता नहीं चल पाता कि वे किस दुकान में खाना खा रहे हैं। कई बार नॉनवेज खाना परोस दिया जाता है, जिससे विवाद की स्थिति बनती है और श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं।

11 जुलाई से हो रही सावन माह की शुरुआत

इस साल सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। हर साल की तरह इस बार भी लाखों भक्त कांवड़ लेकर महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए उज्जैन आएंगे। अधिकतर भक्त इंदौर रोड से उज्जैन में प्रवेश करते हैं और बेगमबाग जैसे इलाकों से होकर मंदिर पहुंचते हैं। इन रास्तों पर बड़ी संख्या में होटल और रेस्टोरेंट हैं।

मालिक का नाम दिखे तो भक्तों को आसानी होगी

महेश पुजारी, अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के पदाधिकारी ने कहा कि कई बार श्रद्धालु बिना जानकारी के किसी भी होटल में खाना खा लेते हैं। वहां अगर नॉनवेज परोसा गया तो बाद में विवाद हो सकता है। इसलिए हर होटल या ढाबे पर मालिक का नाम नेम प्लेट पर लिखा जाना चाहिए ताकि कोई भ्रम न रहे।

600 से ज्यादा होटल-रेस्टोरेंट, 200 मुस्लिम संचालकों के

हिंदूवादी नेता रितेश माहेश्वरी ने कहा कि मंदिर क्षेत्र में करीब 600 होटल और रेस्टोरेंट हैं, जिनमें 200 से ज्यादा मुस्लिम संचालित करते हैं। लेकिन उनकी दुकानों के नाम ऐसे हैं कि लगता है कोई हिंदू संचालक है। कई बार भक्तों को खाना खाते समय हड्डी या नॉनवेज मिलने की शिकायतें आई हैं। इसलिए सभी दुकानों पर मालिक का नाम लिखा जाना जरूरी है।

सांसद से गुहार, संत हिरदाराम नगर की समस्याओं का हो निराकरण

बाजारों में अतिक्रमण, अस्त व्यस्त यातायात से जनता का बुरा हाल

भोपाल, नप्र।

राजधानी के भाजपा सांसद आलोक शर्मा ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर दफ्तर में कलेक्टर व पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में राजधानी में कंडम वाहनों, बाजारों में अतिक्रमण एवं अस्त व्यस्त यातायात पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए व्यवस्थाएं दुरूस्त करने को कहा। इधर संत हिरदाराम नगर के बाशिंदों ने कहा है कि सांसद आलोक शर्मा को राजधानी के सबसे बड़े व्यापारिक एवं भाजपा इलाके पर भी ध्यान देना चाहिए, जहां सभी बाजार अतिक्रमण के शिकार हैं, बाजारों से राहगीरों का निकलना भी मुश्किल हो रहा है, यातायात बुरी तरह से अस्त व्यस्त है, लेकिन जिला, नगर निगम एवं पुलिस ने इस इलाके को एक तरह से लावारिस छोड़ दिया है, जहां महापौर के निर्देशों का पालन भी नहीं होता है।

बाजार अतिक्रमण के शिकार : संत हिरदाराम नगर में इलाहबाद बैंक रोड, चंचल रोड, सर्राफा बाजार, पार्किंग काम्पलेक्स रोड, पुरानी सब्जी मण्डी रोड आदि के हालत खराब हैं। लगभग एक लाख आबादी को जोड़ने वाले चंचल रेड के दोनो तरफइतना अधिक अतिक्रमण एवं वाहनों की अवैध पार्किंग है कि यह सड़क 80 फीट से सिकुड़कर 30 फीट रह गई है। इसी सड़क का 9 साल पूर्व जब आलोक शर्मा महापौर से अतिक्रमण हटवाकर चौड़ीकरण करवाया था जो पूरी तरह से अस्त व्यस्त है। कारोबारियों एवं रहवासियों ने नालियों पर कब्जा कर लिया है। इस मार्ग पर दोनो तरफअवैध रूप से खड़ी कारो एवं स्कूटर के कारण दिन में पचासों बार जाम लग रहा है।

महापौर के निर्देश बेअसर : महापौर मालती राय ने 10 जनवरी को एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, भाजपा नेता नरेन्द्र लालवानी के साथ यहां का निरीक्षण कर अतिक्रमण अधिकारी को निर्देशित किया था कि दुकानों के सामने तीन फीट की दूरी छोड़कर पीली लाइन खींचे और 15 दिन तक लगातार मानीटरिंग करें उसी समय कपड़ा एसोसियेशन ने रंग का डिब्बा खरीद कर दिया जिसके बाद पीली लाइन तो खींची गई लेकिन उसके बाद एक दिन भी मानीटरिंग नहीं हुई बताते हैं कि महापौर के निर्देशों को नहीं मानने के लिए एक अन्य प्रभावशाली भाजपा नेता ने दबाव डाला था, जिस कारण अतिक्रमण अधिकारी पीछे हट गए।

अस्त व्यस्त यातायात

संत हिरदारामन नगर के भीतरी मार्गो पर यातायात अस्त व्यस्त है। इनमें इलाहबाद बैंक रोड से लेकर चंचल स्वीट हाउस के पीछे तक, शिव मंदिर रोड, आरा मशीन रोड, बर्तन बाजार के सामने, चंचल रोड, निरंकारी मण्डल रोड, डा. भंभानी क्लीनिक रोड, बस स्टेण्ड के आस पास हालात खराब हैं। यहां अतिक्रमण, सड़क किनारे पार्क होने वाले वाहनों के कारण यह स्थिति पैदा हुई ओर व्यवस्था कायम करना नगर निगम तथा पुलिस का काम है, परन्तु दोनो ही विभाग इसके प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं।

सांसद करे निरीक्षण

यहां की सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने सांसद आलोक शर्मा से आग्रह किया है कि संत हिरदाराम नगर के बाजारों का निरीक्षण करें और वहां पर यातायात सुगम हो, ठेले वालों को सब्जी मण्डी में व्यवस्थित ढंग से बसाया जाए, इस दिशा में अधिकारियों को निर्देशित करें।

स्टेशन की बदली बदली तस्वीर, लाइट, एक्शन और कैमरा

साईको सैंया की शूटिंग में आए सांसद फिल्म स्टार रवि किशन

भोपाल, नप्र।

मंगवार का दिन संत हिरदाराम नगर के लिए यादगार रहा। वैसे तो स्टेशन पर ट्रेन आने के दौरान ही चहल पहल रहती है, लेकिन मंगलवार को संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर सुबह 9 से लेकर शाम 8 बजे तक मानों यात्रियों, पुलिस, रेल कर्मचारियों का हुजूम उमड़ पड़ा हो, लेकिन इनमें से अधिकांश नकली थे, असली कम। यहां साइको सैंया फिल्म की शूटिंग के लिए भोजपुरी एवं हिन्दी फिल्मों के जाने माने कलाकार व गोरखपुर के भाजपा सांसद रवि किशन आकर्षण का मुख्य केन्द्र थे। हालांकि स्टेशन अधीक्षक मुजीब अहमद अंसारी एवं आरपीएफ के थाना प्रभारी जसराम गुर्जर तो असली थे लेकिन अधिकांश टीटीआई, पुलिस तथा अन्य अमला नकली था। इनमें अनेक महिला पुलिस कर्मी भी शामिल थी।

अतिरिक्त व्यवस्थाएं

चूंकि शूटिंग में गोरखपुर के भाजपा सांसद एवं भोजपुरी फिल्मों के स्टार रवि किशन आए, इस कारण आरपीएफ को भोपाल से अतिरिक्त जवान बुलाने पड़े इसी तरह जिला भोपाल पुलिस से भी अतिरिक्त बल तैनात किया गया। पूरे समय ड्यूटी न होते हुए भी स्टेशन अधीक्षक मुजीब अहमद अंसानी तैनात रहे।

आटो वाले व यात्री हुए परेशान

संत हिरदाराम नगर के रेलवे स्टेशन पर हालांकि शूटिंग तो दोपहर एक बजे के बाद प्रारंभ हुई लेकिन टीम के साथ के अधिकांश लोग सुबह 6 बजे ही पहुंच गए थे, ऐसे में विभिन्न ट्रेनों से उतरने एवं सवार होने वाले यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। भारी भरकम पुलिस, ढेर सारे टीसी देखकर ट्रेनों से उतरने वाले यात्री हैरत में पड़ गए और जब तक माजरा समझ में आए, चुपके चुपके स्टेशन के बाहर निकले। किसी को लगा कि कोई आतंकवादी पकड़ा गया है, या फिर कुछ लोगों को बम आदि होने की शंका थी लेकिन जब बाहर निकलकर पता चला कि ऐसा कुछ भी नहीं है बल्कि फिल्म की शूटिंग चल रही है, तब यात्रियों ने राहत की सांस ली। इधर अनेक आटो रिक्शा चालकों ने बताया कि असली व नकली यात्रियों की पहचान करने में उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ ऐसे में उनका कारोबार पूरी तरह से चौपट हो गया और अनेक आटो वालों की तो बोनी भी नहीं हुई।

संत विद्यादेवी ने कहा- दूसरों का भला करना ही मानवता

स्वामी टेऊँराम जी महाराज का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया

भोपाल, नप्र। सिंधियों के धार्मिक गुरू स्वामी टेऊंराम महाराज जिनके नाम से देश व दुनिया के अनेक जगहों पर विशाल आश्रम हैं, जहां हर दिन धार्मिक गतिविधियां संचालित होती हैं, का अवतरण दिवस संत हिरदाराम नगर में भी उत्साह एवं परम्परागत ढंग से मनाया गया। यह उनका 136वां अवतरण दिवस था।

इस अवसर पर प्रवचन, भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ। आश्रम संचालिका दादी विदया देवी ने स्वामी टेऊराम जी के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि इस जीवन कथा का उद्देश्य हमें आध्यात्मिक पथ पर चलने के लिए प्रेरित करना है। जब भी लोग धर्म से विमुख होकर माया या झूठे भ्रम में लिप्त हो जाते हैं तो भगवान मनुष्य के उद्धार के लिए इस धरती पर मानव रूप में अवतार लेते हैं। स्वामी टेऊँरामजी महाराज का जन्म 6 जुलाई 1887 को सिंध प्रांत में पवित्र नदी सिंधु के तट पर खांडू नामक सिंध के एक छोटे से गाँव में हुआ था यह संतों की पवित्र भूमि है। स्वामीजी के माता.पिता श्री चेलारामजी और माता कृष्णा देवी भगवान के बहुत बड़े भक्त थे। उन्होंने अपना जीवन उन संतों और महात्माओं की सेवा में बिताया जो उनसे मिलने आते थे। उनके घर पर प्रतिदिन दिव्य प्रवचन होते थे। आश्रम की सेवाधारी वर्षा खुशलानी व द्रोपदी सदारंगानी ने संतों के जीवन पर झांकियां बनाई व सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। जिसमें स्वामी टेऊराम जी महाराज, संत कंवरराम साहिब व स्वामी शांतिप्रकाश महाराज की मनमोहक झांकियां बनाई गई व भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ। जिसको उपस्थित धर्मप्रेमी बंधुओं ने सराहा। कार्यक्रम के आरंभ में देवी देवताओं व संतों महात्माओं के मूर्तियों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित आश्रम के अध्यक्ष नारायणदास साधवानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, कांग्रेस उप ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, मदन साधवानी ने किया।

डॉक्टर्स डे पर डिविजनल रेलवे अस्पताल के चिकित्सकों का सम्मान

भोपाल, नप्र।

आज राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर डिविजनल रेलवे अस्पताल, भोपाल में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) श्री अजय डोगरा कि अध्यक्षता में सभी चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य रेलवे चिकित्सकों के योगदान को सम्मानित करना एवं उनके सेवा कार्यों की सराहना करना रहा। इस अवसर पर ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवेमेंस फेडरेशन, भोपाल के मंडल अध्यक्ष श्री जी. जी. दमाडे एवं सभी ब्रांचों के पदाधिकारियों द्वारा चिकित्सकों का अभिनंदन किया गया। उन्होंने डॉक्टर्स डे पर सभी चिकित्सकों को नमन करते हुए उनके अथक परिश्रम और जनसेवा को सराहा। सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों ने अपने संबोधन में कहा कि रेलवे चिकित्सक न केवल कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य की रक्षा में निरंतर सक्रिय रहते हैं, बल्कि आपात परिस्थितियों में भी अपनी सेवाएं निःस्वार्थ भाव से प्रदान करते हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे चिकित्सकों की भूमिका कोविड-19 जैसी आपात स्थितियों में भी अत्यंत सराहनीय रही है और रेलवे परिवार उनके योगदान को सदैव याद रखेगा। यह आयोजन रेलवे चिकित्सकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा, जिसमें रेलवे अधिकारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं चिकित्सा विभाग के स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

घर के सामने ही सड़क पर भोपाल से आ रहे वाहन ने मारी टक्कर

भोपाल, नप्र। थाना सुखी सेवनियाँ में पदस्थ मामले की जांच कर रहे ए एस आई सिद्दीक अहमद से मिली जानकारी के अनुसार मृतक रोहित सिसोदिया पिता स्वर्गीय गोपी लाल निवासी ग्राम बालमपुर थाना सुखी सेवनियाँ भोपाल। जो 30 जून रात करीब 9.00 बजे अपने घर से अपनी मोटरसाइकिल से निकाल सड़क पर आया ही था कि भोपाल की ओर से आ रहा है किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इसे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अज्ञात वाहन टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी पुलिस को मृतक के रिश्तेदार महेंद्र सिसोदिया द्वारा दी गई। पुलिस ने मृतक के परिजन की सूचना पर मौके में पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा 5 दिवसीय खानसामा एवं आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा 5 दिवसीय खानसामा एवं आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम होटल प्रबंधन संस्थान भोपाल में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ईको पर्यटन गंतव्य स्थलों पर कार्यरत समिति के सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कठौतिया, समरधा, सतधारा, मगरपाठ, बोदाखो, कुकरू, चारखेड़ा, रानेहफाल, खिवनी और उमरियाखेड़ा ईको पर्यटन स्थलों से आये कुल 22 समिति सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. श्रीमती समिता राजौरा ने बताया कि आईएचएम के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को लाइव खाना बनाकर सिखाया गया एवं आतिथ्य सत्कार के बारे में भी जानकारी दी गयी। साफ-सफाई, हाउस क्लीनिंग, सर्विंग और एटीकेट्स के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षण के बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. श्रीमती राजौरा, प्राचार्य आईएचएम भोपाल डॉ. रोहित सरीन द्वारा समस्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये गये।

भोपाल में 12 से 17 साल तक की नाबालिग हुई गुम, पुलिस मामला दर्ज कर तलाश में जुटी

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल में 12 से 17 साल तक की नाबालिक बच्चियों गुम हो गई हैं जिसकी शिकायतें उनके परिजनों द्वारा थानों में दर्ज करवाई गई है। पुलिस मामले दर्ज कर कहीं मोबाइल नंबर से ट्रेस कर तो कहीं सीसीटीवी फुटेज खंगाल नाबालिक गुमशुदा बच्चियों की तलाश में जुटी हुई है।परंतु अभी तक हाथ खाली है। जानकारी के अनुसार भोपाल देहात पुलिस के थाना बिलखिरिया अंतर्गत एक 12 वर्ष 6 माह तो दूसरी बड़ी बहन 17 वर्ष 6 माह की उस समय घर से गायब मिली। जब उनकी गोविंदपुरा फैक्ट्री में काम करने वाली मां जिसके पति की मौत हो चुकी है। वह काम कर घर लौटी। उसने बड़ी बच्ची के फोन पर फोन लगाने की कोशिश की। परंतु वह बंद आया तत्काल उसने मामले की शिकायत पुलिस से की। शिकायतकर्ता के माँ के 2 छोटे बच्चे घर पर ही मिले है। अचानक से 2 नाबालिकों बहनों का साथ गायब हो जाना बड़ी शंका की ओर इशारा करता।

जनसुनवाई में छात्राओं को कलेक्टर श्री सिंह ने वितरित की पाठ्य पुस्तकें

भोपाल, नप्र। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 130 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम श्री भूपेन्द्र गोयल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सिंह ने जसीका सोनगिरे एवं मीनाक्षी सोनगिरे को कक्षा - 09वीं एवं 10वीं की पाठय पुस्तकें प्रदान की। कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कृतज्ञता दिवस के रूप में मनाया शहीद बीरबल ढालिया का 79वां बलिदान दिवस 79 होनहार विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री दी

बीरबल जी ढालिया और बलिदानियों का देश सदैव कृतज्ञ-ढालिया

भोपाल, नप्र। 1 जुलाई 1946 को स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देकर मात्र 27 वर्ष की युवावस्था में शहीद हुए भारत माता के सपूत,राष्ट्र वादियों व युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत और जीनगर समाज के गौरव अमर शहीद बीरबल जी ढालिया के 79 वे बलिदान दिवस पर लखेरापूरा माधो पहलवान चौराहा और समाज धर्मशाला में स्मरण सभा में जीनगर समाज और शहीद बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद के तत्वाधान में श्रद्धा पूर्वक मनाया अध्यक्ष अजय पवार, ओम प्रकाश बोराना, पंकज चौकसे, क्षेत्रीय पार्षद और जोन अध्यक्ष विनीता विकास सोनी, पार्षद सरोज हरिओम आसेरी, पृथ्वीराज चौहान, अशोक सांकले ने बीरबल जी के चित्र के समीप दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण करते हुए कहा कि बलिदानियों के प्रति हमें कृतज्ञता का भाव और हमारे कर्तव्यों का भान होना आवश्यक है। संयोजक भगवानदास ढालिया, ने बीरबल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व का वर्णन करते हुए कहा कि 1 जुलाई 1946 को प्रज्ञा परिषद के आव्हान पर रायसिंह नगर में अंग्रेजों के खिलाफ विशाल जुलूस का नेतृत्व कर रहे बीरबल जी जो अंग्रेजों की आंखों की किरकरी बन चुके थे अंग्रेज सरकार के आदेश की अवहेलना करने पर उन्हें 3 गोलिया मारी गई रक्त की अंतिम तक बूंद बीरबल जी ने तिरंगे को थामे रखा और शहीद हो गए । 25 अप्रैल 1983 को देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने श्रीगंगानगर के मुख्य चौक पर बीरबल जी की विशाल प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें महान बलिदानी बताया था। संस्था के प्रवक्ता प्रेम पवार ने शासन से भी राजधानी में शहीद बीरबल जी की प्रतिमा स्थापित कर उनके व्यक्तित्व कृतित्व को पाठ्यक्रम में शामिल करने की सांसद आलोक शर्मा जी से मांग की ।इस अवसर पर विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा ग्रहण कर रहे 79 छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री दी गई।

|| संपादकीय ||

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अत: कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुन: "सोने की चिड़िया" बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुन: खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (KGF) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुन: प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुन: स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुन: खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था।

प्राचीन काल में में भारत को "सोने की चिड़िया" कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अत: भारत का स्वर्णिम काल पुन: प्रारम्भ हो रहा है। विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36,000 टन स्वर्ण का भंडार हैं, जबकि इनमे से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में 8वां स्थान है। चीन एवं रूस स्वर्ण के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं फिर भी ये दोनों देश स्वर्ण का आयात भी जारी रखे हुए हैं। लगातार, पिछले 3 वर्षों से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक लगभग 1,000 टन स्वर्ण की खरीद प्रतिवर्ष कर रहे हैं। स्वर्ण की खरीदी का यह कार्य रुकने वाला नहीं है आगे भी ऐसे ही चलता रहेगा। अत: भारत सरकार द्वारा भी कोलार गोल्ड फील्ड में स्वर्ण के खनन का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ भारत, रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण कर सकता है। साथ ही, स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत भी बढ़ती जाएगी।

कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि ईश्वरीय कृपा से एवं उक्त कारणों के चलते भारत को विश्व में एक बार पुन: "सोने की चिड़िया" बनाया जा सकता है।

- प्रहलाद सबनानी ग्वालियर

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

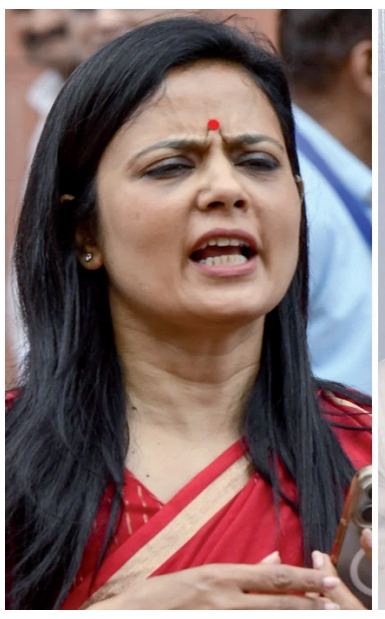

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है।

कोलकाता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषतः राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है।

यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फ़टकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नजर आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा।

सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए जन-प्रतिनिधियों को ज्यादा संवेदनशील होने की अपेक्षा की जाती है। बड़ा प्रश्न है कि आखिर किसी राजनेता को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट क्यों एवं कैसे मिल जाती है।

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। जैसे 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद के सामान्य से बयान पर अच्छा खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही एक गर्भवती महिला राजनेता के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा, वो आम लोगों की आवाज़ क्या उठाएंगी?' इसके लिए पार्षद को माफ़ी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अकसर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। मिसाल के तौर पर 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था कि महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमज़ोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।' इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था और उन्हें मिलने वाला भत्ता भी बंद हो गया था।

कोलकाता की लॉ छात्रा मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बनना चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है। ऐसे मामलों में अत्याचार करने वालों की ही भांति अत्याचार का समर्थन करने वाले दोषी है। अत्याचारियों के लिये ही त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय एवं राजनीति की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो ईमानदार स्वीकारोक्ति, पड़ताल एवं निष्पक्ष न्याय से ही यह संभव होगा।

- ललित गर्ग लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दो संवैधानिक मुद्दे

दो संवैधानिक मुद्दे आजकल बहसतलब और विवादित हैं। पहला यह है कि 1976 में 42वें संविधान संशोधन के तहत दो शब्द-'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष'-संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए। वह आपातकाल का दौर था, लिहाजा संसद, न्यायपालिका और मीडिया 'बंधक' की स्थिति में थे। विपक्ष के लगभग सभी बड़े नेता जेल में बंद थे। संविधान सभा के दौर में जाएं, तो इन शब्दों पर व्यापक बहस हुई थी। सांसद प्रो. केटी शाह और कामथ सरीखों ने संविधान के अनुच्छेद 1 के तहत इन शब्दों को जोडऩे की मांग की थी। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर की दलीलें थीं कि ये शब्द औसत भारतीय की आत्मा में समाए हैं। अनुच्छेद 31 में इन शब्दों का उल्लेख है। नीति निर्देशक तत्त्वों में भी ये शब्द शामिल हैं। इन्हें संविधान की प्रस्तावना में रखने से लोकतंत्र का लचीलापन समाप्त होगा। लोकतंत्र नष्ट भी हो सकता है, लिहाजा वह प्रस्ताव गिर गया और बाबा अंबेडकर ने उन दो शब्दों को प्रस्तावना में नहीं जोड़ा। 1976 के संविधान संशोधन के बाद छह साल भाजपा-एनडीए की वाजपेयी सरकार केंद्र में रही और अब 11 साल से मोदी सरकार मौजूद है। इनके अलावा, 1977-80 के दौरान जनता पार्टी भी सत्ता में रही। सवाल है कि वे शब्द क्यों नहीं हटाए गए? जब 2020 में सर्वोच्च अदालत में एक याचिका दाखिल की गई, जिस पर 2024 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने फैसला सुनाया कि इतने लंबे सालों के बाद इन शब्दों से छेड़छाड़ न की जाए। पीठ ने 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' की व्याख्या भी की। यह राजनीतिक विडंबना है कि 'मंडल बनाम कमंडल' की राजनीति के दौर में एक शब्द बदल कर 'धर्मनिरपेक्ष' कहा जाने लगा और भाजपा समर्थक राजनीति को 'सांप्रदायिक' करार दिया जाने लगा। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए दो शब्दों को 'नासूर' करार दिया है, लिहाजा राजनीति ज्यादा विषाक्त हो गई है। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ पहले आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने इस मुद्दे को गरमाते हुए कहा है कि इन दो शब्दों को हटाने पर विचार किया जाना चाहिए। दूसरा मुद्दा बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण से जुड़ा है। विपक्ष चिल्ल-पौं कर रहा है कि उसके वोट बैंक के कई नाम सूचियों से काटे जा सकते हैं और भाजपा-समर्थक नाम जोड़े जा सकते हैं।

विपक्ष का लगातार आरोप रहा है कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और हरियाणा में भी ऐसा ही किया था, नतीजतन भाजपा सरकारें बनीं। सवाल यह है कि बीते 11 सालों के कालखंड के दौरान चुनाव आयोग की मंशा, चुनावी कवायदों, मतदाता सूचियों के संशोधन आदि शक के घेरे में क्यों हैं? मौजूदा चुनाव आयोग को 'भाजपापंथी' आरोपित क्यों किया जाता है? क्या चुनाव आयोग इतनी घालमेल कर सकता है कि भाजपा की ही सरकार बने, तो देश के कई राज्यों में कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, झामुमो और वामदलों की सरकारें क्यों और किस आधार पर हैं? ये जवाब विपक्ष नहीं देगा। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदान कराने से पूर्व मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और संशोधन के विशेषाधिकार प्राप्त हैं। यह कवायद हर लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले की जाती रही है। विपक्ष की कुछ दलीलें सार्थक हैं कि आयोग बिहार में 2003 के बाद बने मतदाताओं के सत्यापन करना चाहता है और यह संख्या करीब 5 करोड़ है, क्या यह कवायद मात्र 25 दिन में पूरी की जा सकती है? बेशक 98,000 से अधिक बूथ लेवल अफसर घर-घर जाकर डाटा इक_ा करेंगे। इसे नागरिकता की पात्रता की भी साक्ष्य माना गया है। पहले घर-घर जाकर दस्तावेज और निजी डाटा इक्टठा करेंगे, फिर उसका संकलन होगा, फिर सूचियां छापी जाएंगी, उस पर किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार को आपत्ति होगी।

जनरल नॉलेज

तिब्बत के इस लामा से खौफ खाता था चीन, फिर पूरे परिवार के साथ कर दी ऐसी हरकत

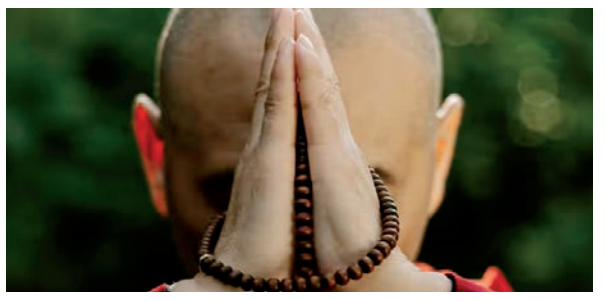

अगला दलाई लामा कौन होगा, इसको लेकर वर्तमान दलाई लामा और चीन की सरकार के बीच घमासान मचा हुआ है. चलिए, आपको दलाई लामा के अलावा उस लामा के बारे में बताते हैं जिनके नाम से चीन खौफ खाता है.

तिब्बत का अगला यानी 15वां दलाई लामा कौन होगा इस पर चीन और वर्तमान दलाई लामा के बीच रार शुरू हो गई है. दलाई लामा ने कहा है कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर का होगा तो दूसरी तरफ चीन की सरकार ने कहा कि दलाई लामा के चुनाव में उसकी मंजूरी जरूरी होगी. दोनों के बीच इसको लेकर तकरार बढ़ गया है कि अगले दलाई लामा का चुनाव कौन करेगा.

तिब्बत पर कब्जा करने के बाद चीन चाहता है कि वह तिब्बती बौद्धों के धर्मगुरु के चयन का कंट्रोल अपने हाथों में ले. कुछ इसी तरह का विवाद पंचेन लामा को लेकर हुआ था. 1995 में दलाई लामा ने 6 साल के बालक को पंचेन लामा नियुक्त किया था. इससे भयभीत होकर चीन ने उस बालक सहित उसके पूरे परिवार को गायब करा दिया और वे कहां हैं आज तक किसी को पता नहीं चला. चलिए आपको बताते हैं कि कैसे 6 साल के बालक से खौफ खाता था चीन.

पंचेन लामा से चीन को डर - साल 1995 में दलाई लामा ने एक छह साल के बालक को तिब्बती बौद्ध धर्म के एक प्रमुख प्रतिनिधि, यानी पंचेन लामा के रूप में नियुक्त किया. इस फैसले ने चीन को बहुत चिंतित कर दिया, क्योंकि पंचेन लामा तिब्बत में धार्मिक और राजनीतिक दोनों ही मायनों में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं. चीन ने इस बच्चे को अपने नियंत्रण में लेकर अपनी सत्ता और प्रभाव को कायम रखने की कोशिश की, ताकि तिब्बती धर्म और राजनीति पर अपनी पकड़ मजबूत रख सके. साल 2025 तक 30 साल हो चुके हैं इन 30 सालों में तिब्बतियों के पंचेन लामा के बारे में किसी को कोई खबर नहीं है कि वे कहां हैं और क्या कर रहे हैं. सिर्फ पंचेन लामा को ही नहीं उनके पूरे परिवार को चीन ने गायब करवा दिया था.

पंचेन लामा से क्यों डरती है चीनी कम्युनिस्ट सरकार - 6 साल के एक छोटे से बालक को कैद करने की अगर किसी सरकार को जरूरत पड़े तो उसके अंदर छिपे डर को समझा जा सकता है. दुनिया की सबसे शक्तिशाली पार्टियों में से एक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार को उस बौद्ध भिक्षु से काफी डर लगता था. ऐसा इसलिए था क्योंकि तिब्बत में बौद्ध धर्म के लोग दलाई लामा के बाद पंचेन लामा को दूसरा सबसे बड़ा धर्म गुरु मानते हैं.

पंचेन लामा तिब्बती बौद्ध धर्म के गेलुग संप्रदाय में एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक और आध्यात्मिक पदवी है. इन्हें तिब्बती बौद्ध धर्म के दूसरे सर्वोच्च नेतृत्वकर्ता के रूप में माना जाता है, जो दलाई लामा के बाद आते हैं. पंचेन लामा का इतिहास पुनर्जन्म और अवतारों की गूढ़ अवधारणा से जुड़ा हुआ है.

टेक्नोलॉजी

iPhone यूजर्स सावधान, अगर अभी नहीं बंद किया ये फीचर, तो जो होगा सोच नहीं सकते

iPhone यूजर्स की प्राइवेसी पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है. जानिए कैसे सिर्फ कुछ स्टेप्स में इसे बंद कर आप अपनी प्राइवेसी और बैटरी दोनों को बचा सकते हैं.

अगर आप iPhone यूजर हैं, तो ये खबर आपके लिए बेहद जरूरी है. आईफोन में एक ऐसा फीचर है जो आपकी जानकारी के बिना आपकी लोकेशन और नेटवर्क गतिविधियों को ट्रैक कर रहा है, वो अभी भी आपके फोन में ऑन हो सकता है. इस फीचर का नाम WiFi ट्रैकिंग है. इसे तुरंत बंद करना आपकी डिजिटल प्राइवेसी के लिए बेहद जरूरी है.

क्या करता है ये फीचर? - iPhone में एक सेटिंग होती है , Networking & Wireless, जो लोकेशन सर्विसेस के तहत काम करती है. ये फीचर आपके आसपास के WiFi नेटवर्क को स्कैन करता है और उस जानकारी की मदद से आपकी लोकेशन का अंदाजा लगाता है. अगर आपने WiFi खुद से बंद कर रखा है तो भी यह काम करता रहता है.

मतलब ये कि भले ही WiFi ऑफ हो, आपका iPhone फिर भी बैकग्राउंड में नेटवर्क्स को स्कैन करता रहता है और आपकी लोकेशन से जुड़ा डेटा भेजता रहता है.

Apple क्या कहता है? - Apple का दावा है कि ये फीचर बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी और लोकेशन-बेस्ड सर्विसेस देने के लिए है, लेकिन सच्चाई ये है कि इसके चलते आपकी प्राइवेसी और फोन की बैटरी दोनों पर बुरा असर पड़ता है.

बंद क्यों करें WiFi ट्रैकिंग? - लोकेशन लीक का खतरा बढ़ता है- आपका डेटा आपकी मर्जी के बिना शेयर हो सकता है.

बैटरी तेजी से खत्म होती है- क्योंकि फोन लगातार नेटवर्क स्कैन करता रहता है.

डेटा की सुरक्षा खतरे में- कुछ थर्ड पार्टी ऐप्स इस डेटा का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं.

पब्लिक WiFi पर हैकिंग रिस्क- ट्रैकिंग के चलते आपका फोन साइबर अटैक की चपेट में आ सकता है.

WiFi ट्रैकिंग को कैसे करें बंद? - iPhone में इस फीचर को बंद करना बेहद आसान है, बस इन स्टेप्स को फॉलो करें

1. अपने iPhone की Settings में जाएं
2. नीचे स्क्रॉल करके Privacy & Security पर टैप करें
3. फिर Location Services ऑप्शन पर जाएं
4. सबसे नीचे जाकर System Services को सिलेक्ट करें
5. यहां आपको Networking & Wireless का विकल्प दिखेगा
6. इस पर क्लिक करें और उसे Toggle Off कर दें.

ये जरूर ध्यान दें - इस सेटिंग को बंद करने से आपका iPhone WiFi से कनेक्ट होना बंद नहीं करेगा. फर्क बस इतना होगा कि अब आपकी लोकेशन WiFi नेटवर्क्स के जरिए ट्रैक नहीं होगी. Apple आपके आईफोन पर एक पॉप-अप अलर्ट दिखा सकता है जिसमें लिखा होगा कि WiFi कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है.

सुपरसोनिक स्पीड, 400KM रेंज... इजरायल से LORA मिसाइल खरीद खरीद सकता है भारत, ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की तैयारी शुरू

एजेंसी तेल अवीव

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रैम्पेज एयर-लॉन्च क्रूज मिसाइल (ALCM) ने कहर बरपा दिया था। भारतीय वायु सेना के जगुआर लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान वायु सेना के सुक्कुर बेस पर इसी मिसाइल से पिन प्वाइंट हमला किया था। पिन प्वाइंट हमला करने में माहिर मिसाइलों को बनाने में इजरायल का कोई मुकाबला नहीं है और अब भारतीय वायुसेना ने इजरायल से ALCM से भी ज्यादा विनाशक मिसाइल खरीदने का फैसला किया है। डिफेंस की दुनिया से आ रही रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय वायुसेना अब AIR LORA मिसाइल के अधिग्रहण का मूल्यांकन कर रही है। इस मिसाइल को इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने डेवलप किया है और ये एक लॉन्ग-रेंज आर्टिलरी मिसाइल है, जो सटीक स्ट्राइक सामरिक मिसाइल का एक डीप स्टैंड-ऑफ वैरिएंट है। यानि भारत अपने सटीक हमला करने की क्षमता में और भी ज्यादा विस्तार कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस पर सटीक हमले किए थे। इस दौरान भारत ने अलग अलग मिसाइलों का इस्तेमाल किया था, जिनमें ब्रह्मोस के साथ इजरायली ALCM मिसाइल का भी इस्तेमाल किया था और इस मिसाइल ने शानदार प्रदर्शन किया था। 250 किलोमीटर की रेंज वाली मिसाइल रैम्पेज ALCM को भारतीय वायुसेना ने अपने Su-30 MKI, MiG-29 और जगुआर बेड़े के साथ इंटीग्रेट किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस मिसाइल ने अपनी क्षमता साबित की थी और इसने सुक्कुर में एक UAV इहंगर को नष्ट कर दिया था। रैम्पेज ALCM मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेशक जबरदस्त प्रदर्शन किया था। लेकिन दिक्कत ये है कि इस मिसाइल को लॉन्च करने के लिए दुश्मन के करीब जाना पड़ता है। ऐसे में आशंका बनी रहती है कि दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम लड़ाकू विमानों को निशाना बना सकते हैं। पाकिस्तान को चीन अब नये एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम देने वाला है, जिनमें HQ-9 सीरिज के डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। इसके अलावा पाकिस्तान एडवांस LY-80 सिस्टम

का भी इस्तेमाल करता है, जिससे जोखिम ज्यादा बढ़ जाता है। इसीलिए भारतीय वायुसेना को लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइलों की जरूरत महसूस हुई है और LORA मिसाइल बहुत हद तक भारत की जरूरतों पर खरा उतरती है। एयरो इंडिया 2025 में एयर LORA मिसाइल का प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान इसने 400 किलोमीटर की अपनी रेंज का प्रदर्शन किया था। ऐसे में अगर भारत इस मिसाइल को अपने लड़ाकू विमानों के साथ इंटीग्रेट करता है तो भारतीय विमान 400 किलोमीटर की दूरी से ही दुश्मन के किसी एयरबेस या किसी हाई वैल्यू टारगेट पर सटीक हमला कर सकते हैं। भारतीय Su-30 MKI फाइटर जेट जैसे प्लेटफॉर्म, दुश्मन के एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम की पहुंच से बहुत दूर रहते हुए हमला कर सकते हैं। एयर LORA को इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (IAI) ने डेवलप किया है और ये एक एडवांस एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (ALBM) है। इसकी रेंज 400 किलोमीटर है जो इसे Rampage से काफी ज्यादा खतरनाक बनाती है। इस मिसाइल का वजन लगभग 1,600 किलोग्राम है और यह सुपरसोनिक स्पीड से उड़ान भरती है। इसमें एडवांस INS/GPS नैविगेशन सिस्टम, GNSS एंटी-जैमिंग तकनीक और 'फायर एंड फॉरगेट' क्षमता मौजूद है, जो इसे अत्यधिक सटीक और दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग से बचाने में सक्षम बनाती है। इजरायल ने इसे सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (SSM) साइटों, मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम (MLRS) यूनिट्स, एयरबेस, एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड पोस्ट के साथ साथ दुश्मनों के महत्वपूर्ण सैन्य बुनियादी ढांचे को तबाह करने के लिए डिजाइन किया है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसमें मौजूद डीप-पेनेट्रेशन वॉरहेड्स का होना है। यानि अगर दुश्मन ने अपने किसी हाई वैल्यू हथियार को किसी बंकर में या हार्ड शेल्टर में छिपा रखा है, तो ये मिसाइल उसे तबाह करने में सक्षम है। एक Su-30 MKI लड़ाकू विमान चार एयर LORA मिसाइलों को ले जा सकता है, जो डीप-स्ट्राइक मिशनों के लिए महत्वपूर्ण मारक क्षमता प्रदान करता है। जिससे वह एक ही उड़ान में दुश्मन के चार अहम ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर सकता है। यानि एयर LORA की 400 किमी रेंज भारतीय वायुसेना को भारत के भीतर रहकर ही पाकिस्तान के कराची, सुक्कुर, बहावलपुर या रावलपिंडी पर सटीक हमले करने में सक्षम बनाएगी। यही नहीं, चीन के खिलाफ संभावित संघर्ष की स्थिति में LAC (Line of Actual Control) के पार रणनीतिक टारगेट्स को भी यह मिसाइल भेद सकेगी। भारत ने एयरो इंडिया 2023 में Air LORA मिसाइल को भारत में ही बनाने के लिए इजरायल के साथ एक समझौता ज्ञापन साइन किया था। इसके तहत एयर LORA को भारत में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) और इजराइल की IAI की साझेदारी में निर्मित किया जाएगा। 2023 के Aero India शो में दोनों कंपनियों के बीच समझौता हुआ था, जिसके तहत BEL को इस मिसाइल सिस्टम का प्रमुख कॉन्ट्रैक्टर नियुक्त किया गया था। यह साझेदारी 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगी। भारतीय नौसेना पहले ही जमीन और समुद्र से लॉन्च किए जाने वाले LORA वर्जन को शामिल कर चुकी है। अब एयर LORA के वायुसेना में शामिल होने से भारत की त्रि-सेना क्षमता को मजबूत बूस्ट मिलेगा। Air LORA की सटीकता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि यह करीब 10 मीटर CEP (Circular Error Probable) के साथ टारगेट को भेद सकती है। इसका मतलब है कि यह मिसाइल टारगेट के बहुत नजदीक या लगभग उसी पर वार कर सकती है।

हाइपरसोनिक मिसाइलों की दुनिया में भारत के दोस्त की बड़ी छलांग, चीनी स्टील्थ लड़ाकू विमान और पाकिस्तान के अरमान स्वाहा

एजेंसी टोक्यो

भारत के दोस्त जापान ने हाइपरसोनिक मिसाइलों की दुनिया में बहुत बड़ी छलांग लगाई है। भारत और जापान, QUAD के सदस्य हैं और दोनों का कॉमन दुश्मन चीन है, ऐसे में इस हाइपरसोनिक मिसाइल ने चीन की नींद छीन ली होगी। जापान ने अपनी नई मोबाइल हाइपरसोनिक मिसाइल, हाइपर वेलोसिटी गाइडेड प्रोजेक्टाइल (HVGP) का अनावरण किया है, जिसने पूर्वी एशिया की डिफेंस स्ट्रैटजी को बदल दिया है। एशिया टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक HVGP हाइपरसोनिक मिसाइल को लेकर जापान की घोषणा का मतलब है, कि जापान ने अपनी स्ट्रैटजी को बदल दिया है। अब वो अपनी डिफेंसिव रणनीति से बाहर निकलकर आक्रामक रणनीति को आजमाया है, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर आक्रामक हमले करने की क्षमता होना शामिल है। एक्सपर्ट्स इसे सिर्फ एक तकनीकी छलांग नहीं, बल्कि जापान की दशकों पुरानी 'सेना नहीं रखने' की नीति में पूरी तरह से बदलाव मान रहे हैं। HVGP मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत इसकी अत्यधिक स्पीड और बहुत लंबी दूर तक हमला करने की क्षमता है। यह मिसाइल Mach 5 यानि आवाज की गति से पांच गुना तेज स्पीड पर उड़ती है और फिलहाल इसकी रेंज 900 किलोमीटर है, जिसे आने वाले वर्षों में बढ़ाकर 2,000 से 3,000 किलोमीटर तक किया जाएगा। यानी जापान अब न सिर्फ अपने तटों की रक्षा कर सकता है, बल्कि चीन के नौसैनिक अड्डों, उत्तर कोरिया के मिसाइल ठिकानों और यहां तक कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में फैले खतरे को घर में घुसकर नष्ट कर सकता है। चीन की नौसेना, खासकर उसके एयरक्राफ्ट कैरियर ग्रुप, अब तक दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर क्षेत्र में प्रभुत्व जमाने की कोशिश करते रहे हैं। चीन, तीन स्तरों में अपनी रक्षा करता है, 1- बाहरी घेरे में J-15 फाइटर जेट्स, 2- मध्य घेरे में डिस्ट्रॉयर और पनडुब्बियां, और 3- भीतरी घेरे में नजदीकी-शत्रु हथियार प्रणाली और एंटी-सबमरीन डिफेंस। यही मॉडल पाकिस्तान ने भी आंशिक रूप से अपनाया हुआ है, जिससे उसकी नौसेना चीन-निर्भर बनी हुई है। लेकिन जापान की HVGP मिसाइल ने इस पूरे ढांचे को ही कमजोर

कर दिया है। इसकी गति इतनी ज्यादा है कि चीनी रडार और इंटरसेप्टर सिस्टम के पास प्रतिक्रिया देने का समय ही नहीं रहेगा। यानी तीनों रक्षा परतें एक के बाद एक बेकार साबित हो सकती हैं। इस मिसाइल में गाइडेंस इतनी ज्यादा सटीक है वह चलती हुई पनडुब्बी या समुद्र में गतिशील एयरक्राफ्ट कैरियर को भी मार सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मिसाइल से चीन की पारंपरिक नौसैनिक श्रेष्ठता को तगड़ा झटका लगेगा। पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में चीन के सहयोग से अपनी मिसाइल प्रणाली, रडार, और नौसेना को मजबूत किया है। लेकिन जापान की HVGP जैसी मिसाइलें पाकिस्तान की वर्तमान रक्षा क्षमताओं के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती हैं। पाक नौसेना में जो प्लेटफॉर्म्स हैं, जैसे चीनी डिजाइन पर आधारित फ्रिगेट और पनडुब्बियां, वे HVGP जैसी तेज गति वाली मिसाइलों के सामने बेबस हैं। इसके अलावा, यदि HVGP को अमेरिका की खुफिया जानकारी और सैटेलाइट सिस्टम के साथ जोड़ दिया जाए, तो यह मिसाइल पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों, नौसेना अड्डों और मिसाइल बैटरियों को 'पहले वार' में ही निष्क्रिय कर सकती है। चूंकी भारत और जापान में काफी गहरा रक्षा सहयोग है और दोनों QUAD पार्टनर हैं, ऐसे में इस मिसाइल ने पाकिस्तान को भी परेशान कर दिया होगा, जिसके पास काफी कमजोर एयर डिफेंस सिस्टम हैं जापान की HVGP मिसाइल बनाने के पीछे एक और बड़ा मकसद है, उत्तर कोरिया का परमाणु खतरा। किम जोंग उन की सरकार लगातार ऐसे परमाणु हथियार बना रही है जिन्हें चलती गाड़ियों, ट्रेनों, या गुप्त ठिकानों से दागा जा सके।

जंगल के ऊपर से जमीन के अंदर तक नजर रखने वाला दुनिया का पहला सैटेलाइट जुलाई में लॉन्च होगा, क्या है ISRO की प्लानिंग

एजेंसी नई दिल्ली

दुनिया का पहला ड्यूअल रडार अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ' निसार' 16 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा। इसे नासा और इसरो ने मिलकर बनाया है। यह दुनिया का पहला और सबसे महंगा अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट है। यह जंगलों के ऊपर से भी अंदर तक देखने में सक्षम है। यह दो फ्रीक्वेंसी के ड्यूल बैंड रडार से धरती के ऊपर से लेकर नीचे तक की हर हलचल को देख सकेगा। करीब 13 हजार करोड़ रुपये की लागत वाला यह सैटेलाइट मिशन धरती पर हो रहे हर छोटे-बड़े बदलाव पर नजर रखेगा, चाहे वह जमीन में हलचल हो, जंगल की कटाई हो, ग्लेशियर का पिघलना हो या फसलों की हालत। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और इसी मिशन पर काम कर चुके वैज्ञानिक राधा कृष्णन ने बताया कि निसार यूरोपीय एजेंसी के सैटेलाइट से इस मायने में अलग है कि यह जंगलों के ऊपर से नीचे तक आसानी से देख सकता है। पेड़ों की घनी छांव हो या बर्फ की मोटी परत, यह उसके नीचे हो रहे बदलाव भी सटीकता से पकड़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारत के चंद्रयान में भी दो L-बैंड और S-बैंड के ड्यूल रडार हैं लेकिन यह धरती की निगरानी नहीं करता बल्कि चांद

का डाटा एकत्र कर रहा है। निसार धरती की निगरानी करने वाला यह दुनिया का पहला सैटेलाइट है जिसमें दो अलग अलग बैंड के रडार हैं। यही वजह है कि यह घने जंगल के नीचे भी आसानी से रडार के जरिए डाटा एकत्र करेगा। जंगलों की बायोमास (वन संपदा) की निगरानीः पेड़ों की घनी हरियाली के नीचे तक देख सकेगा, जंगल कितने बचे हैं या कितनी कटाई हो रही है, इसका सही आंकलन करेगा। ग्लेशियर की हलचल पर नजरः बर्फ पिघल रही है या ग्लेशियर खिसक रहे हैं, इसकी लगातार निगरानी करेगा। टेक्टोनिक स्टडीः जमीन की प्लेटों में हो रही हलचल, दरार या धीरे-धीरे हो रहे बदलावों का पता लगाएगा — भूस्खलन से पहले चेतावनी देने में मददगार। खेती-किसानी में मददः फसल की हालत, मिट्टी की नमी, जमीन के नीचे मौजूद पानी (ग्राउंड वाटर) की स्थिति जैसी जानकारी देगा। भू-वैज्ञानिक अध्ययन (Geosciences): पहाड़ों, मैदानों, नदियों और धरती की सतह में हो रहे लंबे समय के बदलावों का अध्ययन करेगा। वाटर साइंसः नदियों का बहाव, बाढ़, मिट्टी में नमी, पानी की उपलब्धता से जुड़ी जानकारी जुटाएगा। प्राकृतिक आपदाओं में मददः बाढ़, आग, भूकंप या ज्वालामुखी विस्फोट जैसी आपदाओं के दौरान धुआं, बादल या राख में भी साफ तस्वीरें और डेटा देगा। ड्यूल रडार से लैस दुनिया का पहला अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट इसमें L-बैंड और S-बैंड, दोनों तरह के रडार मौजूद हैं अभी तक यूरोपियन स्पेस एजेंसी का सेंटिनल सैटेलाइट सिर्फ सिंगल रडार पर काम करता है हर 12 दिन में पूरी धरती का चक्कर लगाकर अपडेट देगा सार सैटेलाइट दिन और रात दोनों समय धरती की सतह की तस्वीरें ले सकते हैं। ये कैमरे से सीधी तस्वीरें लेने की बजाय रडार सिग्नल का इस्तेमाल कर बादल, धुआं और राख के आर-पार जाकर साफ तस्वीरें देते हैं। यही वजह है कि बाढ़, जंगल में आग या ज्वालामुखी विस्फोट जैसी आपदाओं के समय ये सैटेलाइट बेहद कारगर होते हैं। रडार सिग्नल घने जंगलों और पेड़ों के अंदर तक पहुंच सकते हैं।

यूक्रेन जीतने के लिए रूस ने शुरू की आखिरी लड़ाई रूस ने 50 हजार सैनिकों के साथ किया सुमी पर हमला, जेलेंस्की भी जंग को तैयार

एजेंसी कीव

रूस ने यूक्रेन के सुमी क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए एक बहुत बड़ी सेना जमा कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 50 हजार से ज्यादा रूसी सेना के स्पेशल जवान जमा हो चुके हैं। सुमी वह जगह है, जहां से यूक्रेन ने अगस्त 2024 में रूस के कुर्स्क क्षेत्र पर आक्रमण किया था। यूक्रेन के कब्जे में अभी भी कुर्स्क क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा है। लेकिन अब सुमी एक बड़ी लड़ाई के केंद्र में है जिसमें दोनों पक्षों की तरफ से अपने बेहतरीन सैनिकों को मोर्चे पर भेज दिया गया है। हालांकि यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने दावा किया है कि दुश्मन की बढ़त को रोक दिया गया है। लेकिन रूस ने दावा किया है कि ऐसा करना असंभव है। यूक्रेन ने दावा किया है कि मौजूदा समय में हालात स्थिर हैं और दुश्मन की फौज को जूनाकिवका, यबलुनिवका, नोवोमिकोलेवका, ओलेक्सिएवका और किंडरातिवका की सीमा पर रोक दिया गया है। यूक्रेन ने कहा है कि हमारी सेना सीमावर्ती क्षेत्रों में डटी हुई है और पलटवार की तैयारी कर रही है।" रूस की सेना ने कहा है कि उसकी सेना को रोकना असंभव है और बहुत जल्द पूरी स्थिति को काबू में कर लिया जाएगा। जनरल ओलेक्जांडर सिरस्की, जो यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर हैं, उन्होंने दावा किया है कि रूस की रणनीति, संख्या के दम पर यूक्रेनी सेना को थकाने की है। लेकिन इसी महीने यूक्रेन ने अपनी खुफिया एजेंसी GUR की विशेष कमांडो यूनिट्स को मैदान में उतार दिया, जिसके बाद रूस की सेना को अग्रिम मोर्चे पर ही रोकने में कामयाबी मिली है। GUR प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल किरिलो बुदानोव ने कहा है कि रूस ने अपनी सबसे बेहतरीन टुकड़ियों को सुमी में झोंक दिया है, जिसमें 104वीं एयरबोर्न डिवीजन, 40वीं नौसैनिक ब्रिगेड, 83वीं एयरबोर्न ब्रिगेड और 155वीं मरीन ब्रिगेड शामिल हैं। लेफ्टिनेंट जनरल किरिलो बुदानोव ने कहा है कि रूस का मुख्य मकसद यूक्रेनी सीमा के भीतर एक बफर जोन बनाना है, लेकिन उन्हें बेहद तीव्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि रूस ने कुछ इलाकों में बढ़त बनाई है, लेकिन वह रणनीतिक रूप से ज्यादा मायने नहीं रखती। यूक्रेनी सेना और ज्यादा टुकड़ियां भेज रही है और आने वाले दिनों में संघर्ष के और खतरनाक होने की संभावना है। हालांकि यह रक्षा अभियान यूक्रेनी सेना के लिए काफी महंगा साबित हो रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक जब यूक्रेन की सेना ने पिछले साल रूस के कुर्स्क क्षेत्र में कब्जा किया था, तब सुमी में मजबूत सुरक्षा पंक्ति तैयार करने की उम्मीद की गई थी। लेकिन कुर्स्क से पीछे हटने के बाद सुमी में कई स्थानों पर पुराने खाइयां और कमजोर किलेबंदी मिली, जिससे सैनिकों को ड्रोन हमलों के बीच खुद ही सुरक्षा ठिकाने बनाने पड़े। यूक्रेनी सैनिकों का यह भी आरोप है कि कई इलाकों को माइनिंग (बारूदी सुरंगों) से सुरक्षित नहीं किया गया था। एक इन्फैंट्री कमांडर किरिलो ने कहा, "ऐसा लगता है जैसे तैयारियां टैंक कॉलम के लिए की गई थीं, जबकि असली जंग ड्रोन हमलों की है। हर दिन जब एक पोजीशन तैयार नहीं होती, कोई वापिस नहीं आता।" वहीं रूसी पक्ष ने दावा किया है कि सुमी के कई क्षेत्रों में यूक्रेनी सैनिकों और उनके उपकरणों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सुमी के अलग-अलग इलाकों में AFU की कई ब्रिगेडों, स्पेशल ऑप्स डिटैचमेंट्स और एयर असॉल्ट यूनिट्स को नुकसान पहुंचाया गया है। आपको बता दें कि रूस ने हाल ही में अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला भी किया, जिसमें 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें दागी गईं थीं। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा है कि इनमें से 249 ड्रोन और 226 मिसाइलों को नष्ट कर दिया गया, लेकिन 10 आम नागरिकों की मौत हो गई। रूसी हमले में यूक्रेनी एफ-16 का एक फायटर पायलट भी मारा गया है। इसके अलावा रूस अब Su-30 फाइटर जेट्स से Kh-31 सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइलें लॉन्च कर यूक्रेनी समुद्री ड्रोन को निशाना बना रहा है। हालांकि GUR प्रमुख बुदानोव ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि इतनी महंगी मिसाइलों का इस्तेमाल छोटे, तेज रफ्तार ड्रोन बोट्स पर करना "मूर्खतापूर्ण" है।

बांग्लादेश में ISI अधिकारियों का डेरा, फर्जी पासपोर्ट के साथ पहुंचे ढाका, भारत के पड़ोस में बड़ा खेला

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश दौरे पर पहुंचे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के तीन अधिकारियों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। दावा किया गया है कि ये तीनों अधिकारी फर्जी पासपोर्ट पर ढाका पहुंचे थे। इतना ही नहीं, इन्हें पाकिस्तानी सेना के आर्मी मेडिकल कोर का सदस्य बताया गया था। इसके बावजूद, बांग्लादेश की सरकार ने इनका रेड कार्पेट वेलकम किया और राजधानी के सबसे महंगे होटल में ठहराया। इतना ही नहीं, बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार इन अधिकारियों को कॉक्स बाजार जिले में तैनात बांग्लादेशी सेना के 10वीं इन्फैंट्री डिवीजन का भी दौरा कराया है। बांग्लादेशी सेना की यह डिवीजन म्यांमार में अराकान आर्मी की कथित तौर पर मदद कर रही है। बांग्लादेशी टैब्लॉइड ब्लिट्ज के संपादक और वरिष्ठ पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने एक्स पर लिखा, "28 जून को, पाकिस्तानी सेना के तीन अधिकारी, ब्रिगेडियर जनरल नदीम अहमद,

ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद नदीम तल्हा और ब्रिगेडियर जनरल सऊद अहमद राव अमीरात एयरलाइंस (फ्लाइट नंबर AK-586) से बांग्लादेश पहुंचे। आगमन पर, इन अधिकारियों को ढाका के रेडिसन ब्लू होटल ले जाया गया। उनके पासपोर्ट में, इन अधिकारियों की पहचान मेडिकल कोर के सदस्य के रूप में बताई गई है।" उन्होंने आगे लिखा, "दस्तावेजों के अनुसार, ब्रिगेडियर जनरल नदीम अहमद का पासपोर्ट 30 अप्रैल, 2025 को जारी किया गया था; ब्रिगेडियर जनरल तल्हा का 26 मई को और ब्रिगेडियर जनरल सऊद का 29 मई, 2025 को। इसका मतलब है कि ये पासपोर्ट बांग्लादेश यात्रा के लिए स्पष्ट रूप से जारी किए गए थे। वे 5 जुलाई को अमीरात एयरलाइंस द्वारा बांग्लादेश से रवाना होंगे।" शोएब चौधरी ने आगे कहा, "यात्रा के दौरान, ये पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी देश के दक्षिणी भाग - कॉक्स बाजार जिले के अंतर्गत रामू में बांग्लादेश सेना की 10वीं इन्फैंट्री डिवीजन का दौरा करेंगे। हाल के महीनों में, यूनुस शासन अराकान सेना को "सहायता" प्रदान करने के लिए 10वीं इन्फैंट्री डिवीजन का उपयोग कर रहा है।" उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी डीप स्टेट बांग्लादेश की सहायता से अराकान आर्मी को हथियार और सैन्य हार्डवेयर की आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, "सबसे दिलचस्प बात यह है कि ये तीन पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी वास्तव में इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) के 'स्पेशल सर्विस ग्रुप (एसएसजी)' के सदस्य हैं और मेडिकल कोर के सदस्य होने की उनकी पहचान झूठी है।"

भारत सरकार ने ईरान की कोई मदद नहीं की... पाकिस्तान में ईरानी राजदूत के विवादित बोल, दिल्ली में दूतावास ने कहा था शुक्रिया

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोघद्दम ने सोमवार को एक विवादति बयान दिया है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के भूमिका की जहां उन्होंने जमकर तारीफ की, वहीं भारत को लेकर विवादित टिप्पणी की है। पाकिस्तानी मीडिया के साथ बातचीत में रजा अमीरी ने कहा कि इस लड़ाई के दौरान भारत सरकार ने ईरान की कोई मदद नहीं की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और इजरायल के बीच करीबी दोस्ती है और नई दिल्ली अमेरिका के प्रभाव में रहता है। हालांकि भारत की जनता खासकर मुस्लिमों और राजनीतिक दलों की ओर से इजरायल के हमले की निंदा की गई। भारत ने ईरान के पक्ष में वोट भी नहीं दिया। इससे पहले ईरान के नई दिल्ली स्थित दूतावास ने भी बकायदा एक ट्वीट करके भारतीय जनता, राजनीतिक दलों और संस्थानों को धन्यवाद दिया जो इजरायली हमले के दौरान तेहरान के साथ खुलकर खड़े थे। ईरानी राजदूत रजा अमीरी ने पाकिस्तानी टीवी चैनल जिओ न्यूज के उकसाने वाले सवाल के जवाब में कहा कि इजरायल के साथ लड़ाई के दौरान भारत सरकार ने कोई मदद नहीं की। भारत सरकार ने खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश की। भारत ने हमारे पक्ष में वोट भी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भारत का इजरायल के साथ मजबूत संबंध है। इस इलाके में भारत अमेरिका के गठबंधन में शामिल है। ईरानी राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान और इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी ने इजरायली हमले की कड़ी निंदा की। इससे पहले ईरान के भारत में दूतावास ने भी एक बयान जारी करके भारत की आजादी पसंद जनता, राजनीतिक दलों, संस्थानों और अन्य लोगों को धन्यवाद दिया था। ईरानी दूतावास ने कहा कि ये सभी इजरायली हमले के खिलाफ ईरान के साथ खड़े रहे। इस बयान में भारत सरकार का जिक्र नहीं था। उसने कहा कि ईरान तेहरान का 'वास्तविक' समर्थन करने वालों को धन्यवाद देता है। बता दें कि भारत सरकार ने युद्ध के दौरान दोनों देशों से शांति की अपील की थी। हालांकि भारत ने एससीओ के अंदर इजरायल की आलोचना करने वाले बयान से खुद को अलग कर लिया था। माना जा रहा है कि ईरान के पाकिस्तान में राजदूत का इशारा इसी ओर था। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सात जुलाई को वाइट हाउस में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी करने जा रहे हैं। वाइट हाउस ने 'द इजरायल टाइम्स' से इसकी पुष्टि की है। ट्रंप गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए अपनी कोशिशें तेज कर रहे हैं। जनवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में वापस लौटे थे, जिसके बाद यह नेतन्याहू की व्हाइट हाउस की तीसरी यात्रा होगी। यह मुलाकात गाजा में युद्ध विराम और ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और राजनायिक संबंधों के विस्तार पर केंद्रित होगी। वाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप और प्रशासन के अधिकारी इजरायली नेतृत्व के साथ लगातार संपर्क में हैं। गाजा संघर्ष को समाप्त करना राष्ट्रपति ट्रंप की प्राथमिकता है। लेविट ने कहा, "इस युद्ध के दौरान इजरायल और गाजा, दोनों से जिस तरह की तस्वीरें सामने आई हैं, वह दिल दहला देने वाली हैं। राष्ट्रपति इसे खत्म होते देखना चाहते हैं। वह लोगों की जान बचाना चाहते हैं।" डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में संघर्ष को खत्म करने पर नए सिरे से फोकस करने का संकेत देते हुए शुक्रवार को पत्रकारों से गाजा में अगले हफ्ते तक युद्धविराम की संभावना जताई थी।

वैभव सूर्यवंशी के सामने फीके पड़े 24 बल्लेबाज, इंग्लैंड अंडर-19 सीरीज में किया ये बड़ा कारनामा,जानकर हो जाएंगे हैरान

इंग्लैंड की जमीन पर वैभव सूर्यवंशी ने 14 साल की उम्र में अपनी बल्लेबाजी से ऐसा कहर ढाया है कि भारत और इंग्लैंड अंडर-19 टीमों के बीच वनडे सीरीज में 24 बल्लेबाज को उन्होंने पीछे छोड़ दिया है.

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय क्रिकेट के भविष्य के सितारे वैभव सूर्यवंशी इन दिनों इंग्लैंड की धरती पर अपने बल्ले से आग उगल रहे हैं. महज 14 साल की उम्र में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से ऐसा कहर ढाया है कि भारत और इंग्लैंड अंडर-19 टीमों के बीच वनडे सीरीज में 24 बल्लेबाज उनके आगे पूरी तरह से फीके साबित हो रहे हैं. तीसरे वनडे में भले ही वो 14 रन से शतक से चूक गए, लेकिन उस तूफानी पारी के बाद उनके आंकड़ो ने उन्हें बाकी सब से एक कदम नहीं, दो कदम आगे खड़ा कर दिया है.

इंग्लैंड में दिखाया दबदबा, बना डाले खास रिकॉर्ड – भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही 5 मैचों की अंडर-19 वनडे सीरीज के पहले तीन मुकाबलों के बाद अब तक कुल 25 बल्लेबाजों ने मैदान में अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया है, लेकिन उन सभी में जो प्रदर्शन वैभव सूर्यवंशी ने किया है, उसकी बराबरी कोई नहीं कर पाया.

वैभव सूर्यवंशी अब तक 3 मैचों में 213.09 के स्ट्राइक रेट से 179 रन ठोक चुके हैं. उन्होंने इन तीन मुकाबलों में 17 छक्के जड़े हैं, जो इस सीरीज में सबसे ज्यादा हैं. उनके बाद इंग्लैंड के थॉमस रियू 9 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं, जबकि इसाक अहमद 6 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं. इतना ही नहीं, स्ट्राइक रेट के मामले में भी वैभव की कोई बराबरी नहीं हैं. उनके बाद फिर से थॉमस रियू ही आते हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 155.88 है.

गिल के 269 रन, फिर आकाशदीप की गेंदों ने उगली आग, जडेजा-सुंदर भी चमके

नई दिल्ली, एजेंसी | बर्मिंघम टेस्ट में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट के नुकसान पर 77 रन बना लिए हैं. इंग्लैंड टीम पहली पारी में अब भी 510 रनों से पीछे है.

बर्मिंघम टेस्ट में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट के नुकसान पर 77 रन बना लिए हैं. इंग्लैंड टीम पहली पारी में अब भी 510 रनों से पीछे है. भारतीय टीम ने शुभमन गिल के दोहरे शतक (Shubman Gill Double Century) की बदौलत पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. इंग्लैंड के लिए जो रूट और हैरी ब्रूक ने मोर्चा संभाला है.

दूसरे दिन भारतीय टीम ने 310/5 से अपने स्कोर को आगे बढ़ाया. कप्तान गिल पहले दिन ही अपना शतक पूरा कर चुके थे. गिल और जडेजा के बीच 203 रनों की पार्टनरशिप हुई, लेकिन जोश टंग की तीखी बाउंसर गेंद पर जडेजा बल्ला लगा बैठे और 89 के स्कोर पर अपना विकेट गंवा दिया. वाशिंगटन सुंदर भारतीय लोवर ऑर्डर बैटिंग को मजबूती देने टीम में आए थे, उन्होंने ऐसा ही किया और 42 रन बनाकर गिल के साथ 144 रनों की साझेदारी कर डाली.

कार दुर्घटना में हुई 28 वर्षीय फुटबॉलर डियोगो जोटा की मौत, लिवरपूल प्लेयर की 10 दिन पहले हुई थी शादी

नई दिल्ली, एजेंसी | लिवरपूल के लिए खेलने वाले पुर्तगाल के फुटबॉल प्लेयर डियोगो जोटा की गुरुवार, 3 जुलाई को कार दुर्घटना में मौत हो गई. उनकी 10 दिन पहले ही शादी हुई थी.

लिवरपूल के लिए खेलने वाले पुर्तगाल के फुटबॉल प्लेयर डियोगो जोटा की गुरुवार, 3 जुलाई को कार दुर्घटना में मौत हो गई. उनकी 10 दिन पहले ही Rute Cardoso के साथ शादी हुई थी. कई विदेशी मीडिया ने इस खबर की पुष्टि की है. बता दें कि इस कार दुर्घटना में उनके भाई की मौत हुई है. पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि करते हुए श्रधांजलि दी.

पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ ने बयान जारी कर कहा, 'पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ और पूरा पुर्तगाली फुटबॉल समुदाय स्पेन में आज सुबह डियोगो जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की मौत से पूरी तरह स्तब्ध है. नेशनल ए टीम के लिए लगभग 50 मैच खेल चुके डियोगो जोटा एक असाधारण व्यक्ति थे, जिनका सभी साथी खिलाड़ी और विपक्षी टीम के खिलाड़ी भी सम्मान करते थे. वह एक खुशनुमा व्यक्तित्व वाले थे.'

28 साल Diogo Jota ने पुर्तगाल के लिए खेले 49 अंतर्राष्ट्रीय मैच - डियोगो जोटा का जन्म 4 दिसंबर 1996 को पुर्तगाल के पोर्तो में हुआ था. जोटा ने 2014 में पुर्तगाल अंडर-19 टीम में जगह बनाई थी. 5 साल बाद 2019 में उनकी एंट्री नेशनल टीम में हुई. उन्होंने 49 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने कुल 14 गोल दागे हैं.

लिवरपूल के साथ डियोगो जोटा 2020 में जुड़े थे, इस क्लब के साथ 5 साल के करियर में उन्होंने 123 मैच खेले, जिनमें 47 गोल दागे. डियोगो फॉरवर्ड, लेफ्ट विंगर पोजीशन पर खेलते थे.

एक दिन पहले पत्नी ने शेयर किया था शादी का वीडियो - बता दें कि डियोगो जोटा और Rute Cardoso ने कई सालों तक साथ रिलेशन में रहने के बाद 22 जून 2025 को शादी की थी, उन्होंने कुछ दिन पहले ही फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी थी. बुधवार को उनकी पत्नी ने शादी की वीडियो भी शेयर की थी. डियागो और रयूट के 3 बच्चे भी हैं.

डियोगो जोटा की मौत 3 जुलाई, 2025 को स्पेन के ज़मोरा में हुई. वह A-52 मार्ग पर थे, जो उत्तरी पुर्तगाल से निकलने के लिए एक प्रमुख मार्ग है.

इस दौरान उनकी कार का एक्सीडेंट हुआ, इसमें डियोगो के साथ उनके भाई की भी मौत हो गई.

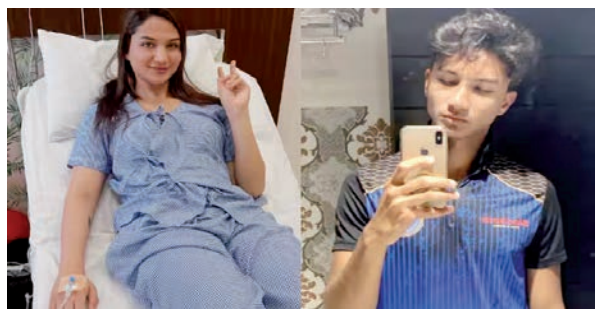

लड़की से लड़का बनी अनाया बांगर की इमोशनल जर्नी, सर्जरी में खर्च हुई रकम जान कर हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी | टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर की ट्रांसजेंडर बेटी अनाया बांगर ने एक बार फिर अपने ट्रांसफॉर्मेशन प्रोसेस में बड़ा कदम उठाया है.

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर की ट्रांसजेंडर बेटी अनाया बांगर ने एक बार फिर अपने ट्रांसफॉर्मेशन प्रोसेस में बड़ा कदम उठाया है. 2 जुलाई 2025 को उन्होंने दो अहम सर्जरी करवाई है. ब्रेस्ट ऑग्मेंटेशन और ट्रेकियल शेव की, लेकिन इस ऑपरेशन से पहले अनाया इतनी भावुक हो गईं कि उनके आंसू छलक पड़े. उन्होंने इस पूरे लम्हे को अपने यूट्यूब वीडियो के जरिए शेयर किया है.

ऑपरेशन से पहले फूट-फूटकर रोईं अनाया, वीडियो हुआ वायरल - अनाया बांगर ने 7 मिनट का एक वीडियो यूट्यूब पर शेयर किया है, जिसमें वे ऑपरेशन से पहले अपनी जर्नी को याद करते हुए इमोशनल हो जाती हैं. उन्होंने बताया कि किस तरह ट्रांसफॉर्मेशन की प्रक्रिया अब तक उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रही है. कैमरे के सामने बोलते हुए वे सिसकने लगती हैं और कुछ पल के लिए बिल्कुल शांत हो जाती हैं. इस वीडियो में उन्होंने खुद खुलासा किया कि उन्हें अब दो और सर्जरी करानी हैं, जो उनके शरीर को और अधिक महिला स्वरूप में ढालने के लिए जरूरी हैं.

कौन-कौन से अंगों की हुई सर्जरी? - • 2 जुलाई को अनाया बांगर ने अपने ट्रांसफॉर्मेशन प्रोसेस को आगे बढ़ाने के लिए दो और सर्जरी करवाईं हैं.

- ब्रेस्ट ऑग्मेंटेशन- जिसमें शरीर में स्तनों का निर्माण किया जाता है, ताकि उनका शरीर पूरी तरह से महिला जैसा दिख सके.
- ट्रेकियल शेव- इस सर्जरी में गले की हड्डी (एडम्स एप्पल) को छोटा या नरम किया जाता है ताकि आवाज और गर्दन की बनावट महिला जैसी लग सके.

जेंडर चेंज में कितना खर्च? - जहां तक खर्च की बात है, अनाया ने इस बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं बताया है, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक व्यक्ति को लड़का से लड़की बनने की पूरी प्रक्रिया में काफी पैसे खर्च होते हैं. अकेले ब्रेस्ट ऑग्मेंटेशन में 3.5 लाख रुपये तक का खर्च होता है और ट्रेकियल शेव कराने की रकम 2.5 से 6.5 लाख रुपये के बीच आंकी जाती है. यानी इन दोनों सर्जरी पर ही अनाया ने लगभग 10 लाख रुपये खर्च किए होंगे.

अनाया की जर्नी लाखों के लिए प्रेरणा - पहले 'आर्यन' के नाम से पहचानी जाने वाली अनाया अब पूरी तरह से अपनी पहचान में खुलकर जी रही हैं. इंग्लैंड से लौटने के बाद उन्होंने खुद को ट्रांसफॉर्म किया और सोशल मीडिया के जरिए अपनी स्टोरी दुनिया से शेयर की. उनकी यह जर्नी न सिर्फ साहसी है बल्कि लाखों ट्रांसजेंडर युवाओं के लिए प्रेरणा भी बन चुकी है.

जोकोविच ने जीत के साथ विंबलडन में एक और रिकॉर्ड बनाया

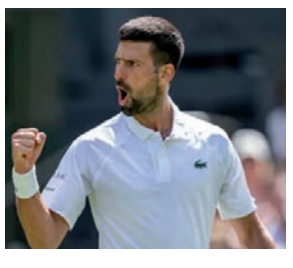

नई दिल्ली, एजेंसी | नोवाक जोकोविच ने बुधवार को सेंटर कोर्ट पर डैन इवांस पर 6-3, 6-2, 6-0 की जीत के साथ 19वीं बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में पहुंचकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

जोकोविच ने विंबलडन में कुल मिलाकर 99वां मैच जीता और तीसरे दौर में 19वीं बार जगह बनाई जो ओपन युग में किसी पुरुष खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ने 18 बार तीसरे दौर में प्रवेश किया था।

हालांकि यह 38 वर्षीय जोकोविच के लिए शायद ही कोई प्रतिष्ठित रिकॉर्ड है जिनके नाम सात विंबलडन सहित कुल 24 ग्रैंड स्लैम

खिताब हैं जो पुरुष खिलाड़ियों के बीच रिकॉर्ड है।

जोकोविच ने कहा, ''उन्नीस बार, यह एक शानदार आंकड़ा है। यह शायद (यानिक) सिनर और (कार्लोस) अल्कारेज की उम्र के बराबर है।''

पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को हराने वाले अल्कारेज 22 जबकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सिनर 23 साल के हैं।

महिल एकल में सातवीं वरीय मीरा आंद्रीवा और 10वीं वरीय ऐमा नवारो ने सीधे सेट में जीत दर्ज की।

आंद्रीवा ने इटल की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-6 से हराया जबकि नवारो ने एकतरफा मुकाबले में वेरोनिका कुदरमेतोवा को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी।

विंबलडन 2022 चैंपियन एलेना रिबाकिना ने मारिया सकारी को 6-3, 6-1 से हराया।

पुरुष एकल में एलेक्स डि मिनोर ने आर्थर केजॉक्स को 4-6, 6-2, 6-4, 6-0 से शिकस्त दी जबकि 19वें वरीय ग्रेगोर दिमित्रोव ने कोरेनटिन मोटेट को 7-5, 4-6, 7-5, 7-5 से हराया।

व्यापार

टूथपेस्ट, कपड़े, जूते और बर्तन सस्ते हो सकते हैं

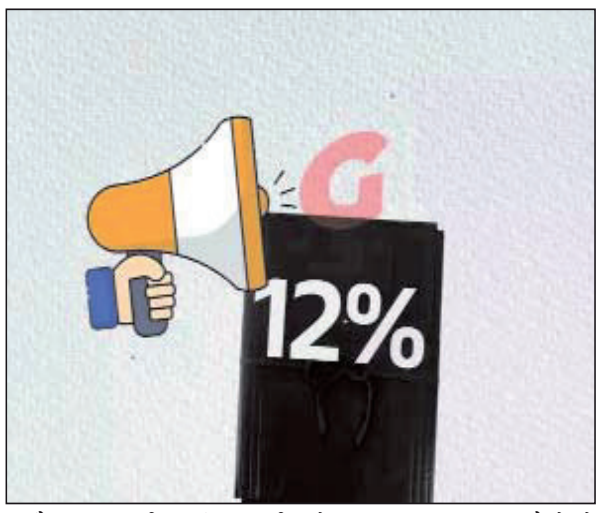

सरकार इन आइटम्स का जीएसटी स्लैब 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की तैयारी कर रही

नई दिल्ली। टूथपेस्ट, बर्तन, कपड़े, जूते जैसे आम आदमी के इस्तेमाल में आने वाले आइटम्स जल्द ही सस्ते हो सकते हैं। इस साल की शुरुआत में इनकम टैक्स में कई रियायतें देने के बाद केंद्र सरकार अब मिडिल-क्लास और लोअर-इनकम फैमिली को गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी त्रस्ज्ञ में कटौती कर राहत देने की तैयारी कर रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार 12 प्रतिशत जीएसटी स्लैब को पूरी तरह से खत्म करने या वर्तमान में 12 प्रतिशत टैक्स वाले आइटम्स को 5 प्रतिशत स्लैब में ला सकती है। सूत्रों के अनुसार, इस रिस्ट्रक्चरिंग यानी बदलाव में मिडिल-क्लास और इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन के यूज में आने वाले आइटम्स शामिल होंगे।

अगर प्रस्तावित बदलाव लागू होते हैं, तो इनमें से कई आइटम्स सस्ते हो जाएंगे। सरकार इजी-टु-कंप्लाय यानी आसान त्रस्ज्ञ पर भी विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इस कदम से सरकार पर 40,000 करोड़ रुपए से 50,000 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा, लेकिन वह शुरुआती असर को झेलने के लिए तैयार है।

इससे खपत में बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्र का मानना है कि कम कीमतों से बिक्री बढ़ेगी, जिससे टैक्स-बेस बढ़ेगा और लॉन्ग टर्म जीएसटी कलेक्शन में ग्रोथ होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में एक इंटरव्यू में जीएसटी रेट्स में संभावित बदलावों का संकेत देते हुए कहा था कि सरकार जरूरी वस्तुओं पर मिडिल-क्लास को राहत देने पर विचार कर रही है।

केंद्र के दबाव के बावजूद राज्यों के बीच सहमति नहीं

केंद्र के दबाव के बावजूद राज्यों के बीच आम सहमति नहीं बन पाई है। जीएसटी के तहत दरों में बदलाव के लिए जीएसटी काउंसिल से रिकमेंडेशन की जरूरत होती है, जहां हर राज्य को मतदान का अधिकार है। वर्तमान में पंजाब, केरल, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल से विरोध की खबरें आ रही हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की इंक्रीमेंटल ग्रोथ में भारत की हिस्सेदारी 6.7 प्रतिशत, अकेले एसबीआई का योगदान 1.1 प्रतिशत

नई दिल्ली। भारत ने वित्त वर्ष 25 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धिशील वृद्धि में लगभग 6.7 प्रतिशत का योगदान दिया और अकेले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की वृद्धिशील वृद्धि में 1.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट में वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर भारत के मजबूत प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया है, जिसने वित्त वर्ष 25 के दौरान वैश्विक जीडीपी में कुल वृद्धि में 297 बिलियन अमरीकी डॉलर जोड़े। इसमें कहा गया है, वैश्विक स्तर पर, भारत ने वित्त वर्ष 25 में वृद्धिशील वैश्विक जीडीपी में लगभग 6.7 प्रतिशत का योगदान दिया।

वित्त वर्ष 25 में विश्व अर्थव्यवस्था में 4,118 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई और इसमें

भारत की हिस्सेदारी 297 बिलियन अमरीकी डॉलर थी। इसका मतलब है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में कुल वृद्धि में भारत का योगदान लगभग 7 प्रतिशत था, जो वैश्विक विकास में अग्रणी योगदानकर्ताओं में से एक के रूप में इसके बढ़ते महत्व और ताकत को दर्शाता है।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत के योगदान में से, अकेले एसबीआई ने अपनी संपत्ति के आकार के माध्यम से 44 बिलियन अमरीकी डॉलर जोड़े। एसबीआई का यह योगदान वित्त वर्ष 25 में वैश्विक जीडीपी में कुल वृद्धि का लगभग 1.1 प्रतिशत है।

शोध रिपोर्ट में कहा गया है, एसबीआई वैश्विक जीडीपी में लगभग 1.1 प्रतिशत और भारत के जीडीपी में लगभग 16 प्रतिशत जोड़ता है। दूसरे शब्दों में, अकेले एसबीआई का प्रदर्शन वैश्विक जीडीपी वृद्धि में कुछ छोटी अर्थव्यवस्थाओं के योगदान के आकार से मेल खाता है।

13 प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ एचडीबी फाइनेंशियल

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक की सहायक कंपनी एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर बुधवार को अपने निर्गम मूल्य 740 रुपये से लगभग 13 प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए। इश्यू प्राइस यानी निर्गम मूल्य, वह प्रारंभिक मूल्य है जिस पर कोई कंपनी अपने शेयर या बॉन्ड जनता को पहली बार जारी करती है।

निर्गम मूल्य से 12.88 प्रतिशत का उछाल

बीएसई पर कंपनी के शेयर की शुरुआत 835 रुपये पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 12.83 प्रतिशत अधिक है। बाद में यह 14.29 प्रतिशत बढ़कर 845.75 रुपये पर पहुंच गया। वहीं एनएसई में कंपनी के शेयर 835 रुपये पर सूचीबद्ध हुए।

12,500 करोड़ रुपये के आईपीओ हुए जारी

शुरुआती कारोबार के दौरान कंपनी का बाजार पूंजीकरण 69,658.72 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। संस्थागत खरीदारों की उत्साहजनक भागीदारी के बीच, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के 12,500 करोड़ रुपये के आरंभिक शेयर बिक्री को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। यह पिछले शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 16.69 गुना सब्सक्राइब हुआ। आईपीओ का प्राइस बैंड 700 से 740 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। इसमें 2,500 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी किए गए और 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक द्वारा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत की गई।

कंपनी टियर-1 पूंजी को मजबूत करेगी

कंपनी के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग अपने टियर-1 पूंजी आधार को मजबूत करने के लिए करेगी। इसमें अतिरिक्त उधार देना भी शामिल है, ताकि कारोबार की वृद्धि को सहारा मिल सके। एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ पिछले तीन वर्षों में दूसरा सबसे बड़ा निर्गम रहा, पहले स्थान पर दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता हुंडई का 27,000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव था।

विपक्ष ने सुरंग परियोजना में लगाया 3000 करोड़ के घोटाले का आरोप, किसानों के मुद्दे पर किया वॉकआउट

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा और विधान परिषद का मानसून सत्र सोमवार से चल रहा है। इस दौरान सदन में विपक्षी पार्टियां सरकार पर तरह-तरह के आरोप लगा रही हैं। साथ ही, विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी और विरोध करने के लिए सदन से वॉकआउट करते हुए नजर आएं।

सुरंग परियोजना में 3000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप

विपक्ष ने ठाणे सुरंग परियोजना को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। विपक्षी विधायकों ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने इस परियोजना में 3,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया और एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ देने का दावा किया।

विपक्ष ने की नारेबाजी

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने मई में इस सुरंग परियोजना की निविदा प्रक्रिया को रद्द कर दिया था। जब अयोग्य ठहराई गई कंपनी एलएंडटी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। महा विकास अघाड़ी के विधायक और विधान परिषद सदस्य विधान भवन की सीढ़ियों पर नारेबाजी की। उन्होंने सरकार पर सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई के डर से अनुबंध रद्द करने का आरोप लगाया।

विपक्षीय नेता अंबादास दानवे (शिवसेना उद्धव गुट), कांग्रेस के सत्यजीत पाटिल और एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता जयंत पाटिल इस प्रदर्शन में शामिल हुए। दानवे ने कहा कि इस परियोजना के बारे में गंभीर चिंताएं जताए जाने के बावजूद सरकार इस पर जोर देती रही। यह केवल तकनीकी चूक नहीं है। बल्कि 3,000 करोड़ रुपये का घोटाला है, जिसे महाराष्ट्र की जनता नजरअंदाज नहीं कर सकती।

कांग्रेस नेता सत्यजीत पाटिल ने आरोप लगाया कि ठेका जीतने वाली कंपनी चुनावी बांड की प्रमुख दाता रही है। उन्होंने कहा कि यह महज संयोग नहीं है। सरकार उसी कंपनी को फायदा पहुँचा रही है, जिससे उसे फंडिंग मिली। इससे पारदर्शिता और निष्पक्षता पर बुनियादी सवाल उठते हैं।

बालों में गजरा, नोज पिन और हैवी ज्वैलरी पहन साउथ इंडियन ब्राइड बनीं शिवांगी

शिवांगी जोशी इन दिनों बड़े अच्छे लगते हैं नया सीजन में नजर आ रही हैं. शिवांगी का नया लुक देखकर फैंस खूब इंप्रेस हो गए हैं और उनकी तारीफ करते नहीं रुक रहे हैं.बड़े अच्छे लगते हैं का नया सीजन शुरू हो चुका है. शो में हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी की जोड़ी को बहुत पसंद किया जा रहा है. शो में शिवांगी एक साउथ इंडियन लड़की का किरदार निभाती नजर आ रही हैं.शिवांगी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं. इस बार उन्होंने अपने भाग्यश्री के लुक की फोटोज शेयर की हैं.शिवांगी का साउथ इंडियन लुक फैंस को बहुत पसंद आ रहा है. उन्होंने रेड कलर की सिल्क की साड़ी पहनी हुई और हैवी ज्वैलरी पहनी है.शिवांगी इस लुक में बहुत प्यारी लग रही हैं. उन्होंने ढेर सारे पोज दिए हैं. उनकी फोटोज पर फैंस कमेंट करते नहीं रुक कर रहे हैं.शिवांगी ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा- ओ रे पिया. साथ में हार्ट इमोजी पोस्ट की. उनकी फोटोज से फैंस की नजरें नहीं हट रही हैं.शिवांगी की फोटोज पर एक फैन ने लिखा- मुझे तुम्हारे इस साड़ी लुक से प्यार हो गया है. वहीं दूसरे ने लिखा- भाग्यश्री तुम बेस्ट हो.एक फैन ने लिखा- ब्यूटीफुल अय्यर गर्ल. शिवांगी की फोटोज को लाखों लोग लाइक कर चुके हैं.बड़े अच्छे लगते हैं नया सीजन की बात करें तो शिवांगी जोशी और हर्षद चोपड़ा की केमिस्ट्री पहले दिन से ही फैंस को भा गई है. हर एपिसोड के बाद फैंस उनकी केमिस्ट्री की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ करते हैं।

मावरा हुसैन के इंस्टा अकाउंट से हटा बैन

भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी आर्टिस्ट को पूरी तरह से बैन कर दिया था. यहां तक की भारत में उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स तक पर भी बैन लगा दिया गया था. लेकिन अब पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा हुसैन के इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में दिखने लगा है. 'सनम तेरी कसम' फेम मावरा का इंस्टा अकाउंट की सभी तस्वीरें भी दिखाई दे रही हैं. हालांकि अभी लोग इस अकाउंट को लेकर शक में हैं कि क्या ये सच है या फेक?मावरा हुसैन के नाम से भारत में दिखाई देने वाली प्रोफाइल पर 9.8 मिलियन फॉलोअर्स नजर आ रहे हैं. वहीं इस अकाउंट पर उनकी शादी की भी ढेरों तस्वीरें मौजूद हैं, जिसे देखते हुए तो यही अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये मावरा रियल अकाउंट ही है. उनकी प्रोफाइल पर भारतीय यूजर्स एक्सेस कर पा रहे हैं. मावरा की इंस्टाग्राम स्टोरी में फिल्म 'सनम तेरी कसम' का एक वीडियो भी देखा जा सकता है.करीब 2 महीनों से मावरा का इंस्टा अकाउंट भारत में नजर नहीं आ था. लेकिन बीते दिन उनके अकाउंट नजर आने लगा. हालांकि बात करें बाकी पाकिस्तानी सितारों की तो कई सितारों के इंस्टा अकाउंट अभी भी नजर नहीं आ रहे हैं. हानिया आमिर, फवाद खान, माहिरा खान समेत कई पाक स्टार्स के अकाउंट अभी भी भारत में नजर नहीं आ रहे हैं।

खुशी मुखर्जी ने एक बार फिर से फलक नाज की धज्जियां उड़ाई

खुशी मुखर्जी सोशल मीडिया की उन इंफ्लूएंसर्स में से एक हैं जो कि अपने लुक्स की वजह से अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं. अभी यादा दिन नहीं हुए हैं जब ठीवी अदाकारा फलक नाज ने खुशी मुखर्जी के कपड़ों पर बैन लगाने की मांग करके बखेड़ा खड़ा कर दिया था. अब फलक नाज का कहना है कि उर्फी जावेद के कपड़े खुशी मुखर्जी से यादा क्रिएटिव थे. फलक नाज का ये बयान उस समय आया है जब खुशी मुखर्जी ने खुद की तुलना उर्फी जावेद से की थी. भारी ट्रोलिंग के बीच खुशी मुखर्जी ने कहा था कि उर्फी जावेद ने भी इसी तरह से अपनी एक अलग पहचान बनाई है. इसी बीच खुशी मुखर्जी ने एक बार फिर से फलक नाज पर हमला बोल दिया है.खुशी मुखर्जी ने बातों ही बातों में फलक नाज को टॉक्सिक औरत बता दिया है. बॉलीवुड लाइफ हिंदी से बात करते हुए खुशी मुखर्जी ने कहा, फलक नाज एक टॉक्सिक औरत है जो कि दूसरी औरत की बेइजती करके फेम हासिल करने की कोशिश कर रही है. वो अपने दम पर कोई काम नहीं कर सकती. मैंने हमेशा अपने क्रॉफ्ट और आर्ट पर काम किया है. मेरे पास कोई प्रोफेशनल डिजाइनर डिग्री नहीं है बावजूद इसके मैं अपने कपड़ों क क्रिएटिव बनाने की कोशिश करती हूं. मेरे कपड़ों में वो क्रिएटिविटी दिखती है.आगे खुशी मुखर्जी ने खुलासा किया, पर्सनली मैं पैरिस हिल्टन और जेनिफर लोपेज को फॉलो करना बहुत पसंद करती हूं. ऐसा बोलकर खुशी मुखर्जी ने अपने हेटर्स की बोलती बंद कर दी है. उर्फी जावेद भी हॉलीवुड के कुछ डिजाइनर्स को फॉलो करती हैं. ठीक उसी तरह खुशी मुखर्जी भी अपने लुक्स के साथ एक्सपीरीमेंट करने की कोशिश कर रही हैं. बीते कुछ समय से खुशी मुखर्जी लगातार ट्रोलर्स की नजरों में बनी हुई हैं. हाल ही में मीडिया ने भी खुशी मुखर्जी को अपने कपड़ों का ध्यान रखने की नसीहत दे दी. ऐसे में खुशी मुखर्जी ने बिना देर किए सबको करारा जवाब दे डाला।

रश्मिका मंदाना ने किया अपना डिजिटल डेब्यू

मैं हमेशा से एक ऐसी जगह चाहती थी जहाँ मैं थोड़ी और कच्ची, थोड़ी और वास्तविक हो सकूँ - और अब, मैं यहाँ स्नैपचैट पर हूँ। पर्दे के पीछे के सभी पलों, छोटी-छोटी खुशियों, मज़ेदार चीज़ों और बीच की हर चीज़ को शेयर करने का समय आ गया है (मेरी सोशल मीडिया टीम के ऐसा करने से पहले भी)।

एक ऐसी स्टार जिससे आप अपनी नज़रें नहीं हटा सकते, रश्मिका मंदाना स्टोरीज़, स्नैप्स और स्पॉटलाइट की दुनिया में अपनी पूरी ऊर्जा, खुशी और प्रामाणिकता के साथ गोता लगा रही हैं, जिसके लिए हम उन्हें प्यार करते हैं। चाहे वह अपनी कार में नाच रही हों, फिल्म सेट से पर्दे के पीछे के पलों को शेयर कर रही हों, या बस अपने प्यारे से प्यार को शेयर कर रही हों, उम्मीद करें कि आपका स्नैप फीड बहुत ज़्यादा चमकीला हो जाएगा। मैं हमेशा से एक ऐसी जगह चाहती थी जहाँ मैं थोड़ी और कच्ची, थोड़ी और वास्तविक हो सकूँ - और अब, मैं यहाँ स्नैपचैट पर हूँ। पर्दे के पीछे के सभी पलों, छोटी-छोटी खुशियों, मज़ेदार चीज़ों और बीच की हर चीज़ को शेयर करने का समय आ गया है (मेरी सोशल मीडिया टीम के ऐसा करने से पहले भी)। अगर आप इसे देख रहे हैं, तो आपका बहुत-बहुत शुक्रिया, आप वाकई अब तक हर चीज़ का हिस्सा रहे हैं, और मैं आपको और भी यादा देखने के लिए बेताब हूँ। मैं जल्द ही आपसे मिलूँगी, मेरे प्यारे, रश्मिका मंदाना ने कहा। चाहे साउथ हो या फिर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री उनका अंदाज काफी अलग होता है। अक्सर देखा जाता है कि वो किसी भी फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो धमाका ही करती हैं। हाल ही में उनकी फिल्म पुष्पा 2 रिलीज हुई थी और इसने रिलीज होकर बवाल काट दिया था।

मौनी रॉय ने शेयर की अपनी ग्लैमरस फोटोज

एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही में अपने इंस्टा पर ग्रीन साड़ी और स्लीवलेस ब्लाउज पहने तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनकी पतली कमर ने लाखों दर्शकों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है.मौनी रॉय अक्सर अपनी ग्लैमरस फोटोज से फैंस को इंप्रेस करती नजर आती हैं. एक्ट्रेस अपने एक से बढ़कर एक लुक्स से फैंस को अपनी अदाओं का कायल कर लेती हैं.बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में सिंपल ग्रीन साड़ी में नजर आ रही हैं.साड़ी के साथ इन्होंने ब्लैक कलर का स्लीवलेस ब्लाउज पेयर किया है, जो उनके लुक को काफी स्टाइलिश बना रहा है.

इनकी इन तस्वीरों में दर्शकों का सबसे यादा ध्यान इनकी पतली कमर खींच रही है. इनकी ये फिटनेस देखकर सभी फैंस इनकी तारीफों की पुल बांध रहे हैं.खुले बालों और सीधे पल्लू के साथ मौनी ने ट्रेडिशनल लुक को बेहद ही खूबसूरती से कैरी किया हुआ है.इनके मेकअप की बात करें, तो इन्होंने काफी मिनिमल मेकअप किया हुआ है. जिसमें इनकी नैचुरल ब्यूटी और भी निखर कर सामने आ रही है.तस्वीरों में मौनी की अदाएं बेहद दिलकश नजर आ रही हैं. इनकी हर अदा फैंस को घायल कर रही हैं।

11 दिनों में सितारों ने छाप लिए 200 करोड़

आमिर खान के आगे काजोल-अक्षय का बुरा हाल!

जुलाई की शुरुआत के साथ ही जून में रिलीज हुई फिल्मों की कमाई भी सामने आ गई हैं. यूं तो जून में जिस फिल्म ने बाजी मारी, वो आमिर खान की Sitaare Zameen Par है. जिसने महज 90 करोड़ के बजट में ही पूरा खेल बना था. आमिर खान के सितारों को 11 दिन बाद भी वैसा ही प्यार मिल रहा है. हालांकि, जिन दो फिल्मों से हर किसी को सबसे यादा उम्मीदें थी, उनका बुरा हाल होता नजर आ रहा है. लिस्ट में अक्षय कुमार-प्रभास की Kannappa और काजोल की Maa शामिल है, जिसे अजय देवगन ने प्रोड्यूस किया है. आइए सबसे पहले जानिए मंडे को किसने बाजी जीती?

काजोल अपनी पहली हॉरर कॉमेडी फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड थीं. वहीं अजय देवगन प्रोड्यूसर हैं, तो उम्मीद भी यादा थी. पहले तीन दिन फिल्म ने ठीक ठाक कमाई की थी, पर चौथे दिन बुरा हाल हो गया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट सामने आ गई है. जिससे पता लग कि फिल्म ने पहले मंडे को सिर्फ 2.25 करोड़ का कारोबार किया है. जहां पहले दिन 4.65 करोड़ के साथ ओपनिंग हुई थी. वहीं दूसरे दिन 6 करोड़, तीसरे दिन 7 करोड़ छापे. इसी के साथ भारत से टोटल 19.90 करोड़ कमा लिए गए हैं.

विष्णु मांचू की फिल्म Kannappa को लेकर लंबे वक्त से तगड़ा बज बना था. पर रिलीज के बाद पिक्चर कुछ खास कमाल करती नहीं दिख रही है. हालांकि, यह अछी बात है कि अक्षय कुमार की फिल्म मां से आगे निकल गई है. फिल्म ने चौथे दिन 2.50 करोड़ का बिजनेस कर लिया है. जहां पहले दिन पिक्चर ने 9.35 करोड़ छापे थे. दूसरे दिन 7.15 करोड़ और तीसरे दिन 6.9 करोड़ का बिजनेस किया. अबतक भारत से टोटल 25.90 करोड़ का कारोबार हो चुका है.

सितारों ने 11वें दिन जीत ली बाजी

आमिर खान की 'सितारे जमीन पर' का बजट 90 करोड़ बताया जा रहा है. अब ऐसे में फिल्म काफी पहले ही अपना बजट निकाल चुकी है. फिल्म ने अपने दूसरे मंडे को 3.75 करोड़ कमाए हैं. जो काजोल और अक्षय कुमार की फिल्मों से यादा है. इसी के साथ भारत से अब 126.40 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया गया है।

भोपाल के पीपुल्स ऑडिटोरियम में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित महिला मॉक संसद कार्यक्रम में सम्मिलित हुई प्रदेश प्रवक्ता नेहा बग्गा

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल मुख्यमंत्री , मोहन यादव प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में युवा महिला (मॉक) सांसदों को आपातकाल की क्रूरता और लोकतंत्र पर हुए कुठाराघात की जानकारी दी गई।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का वह काला अध्याय था जब कांग्रेस की इंदिरा सरकार ने संविधान और नागरिक अधिकारों को कुचला। इस काले दौर की सच्चाई को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश का प्रत्येक सजग नागरिक संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकूर, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती भारती प्रवीण पवार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद वी डी शर्मा, मध्य प्रदेश शासन मंदिर का विश्वास सारंग, राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर , महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य माया नारोलिया , सांसद श्रीमती संध्या राय , महापौर श्रीमती मालती राय एवं बड़ी संख्या में मोर्चा की कार्यकर्ता बहनें उपस्थित रहीं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मैहर में माँ शारदा के किये दर्शन

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

रीवा | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मैहर में माँ शारदा के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने माँ शारदा से प्रदेश वासियों के सुख समृद्धि की कामना की।

खंडवा अस्पताल में डॉक्टर को मुक्के और कुर्सी मारी

महिला की हार्ट अटैक से मौत से बेटा गुस्सा गया, ईसीजी मशीन फेंककर मारी

खंडवा (संवाददाता)। खंडवा जिला अस्पताल में बुधवार सुबह इलाज के दौरान एक महिला पेशेंट की मौत हो गई। इसके बाद महिला के बेटे ने इलाज कर रहे डॉक्टर को मुक्कों से पीटा, कुर्सी और ईसीजी मशीन फेंककर मारी। घटना के बाद डॉक्टरों ने पुलिस थाने तक रैली निकाली और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। डॉक्टरों ने बताया कि महिला गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला को आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया था

मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. रणजीत बडौले ने बताया कि 2 जुलाई की रात एक बजे 42 वर्षीय रेखा पति धीरज को हृदय संबंधी समस्या कारण इमरजेंसी वार्ड में लाया गया। प्राथमिक जांच और ईसीजी में हार्ट अटैक की पुष्टि होने पर उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। परिजन को मरीज की गंभीर हालत से अवगत कराया गया और हाई रिस्क कंसर्न लिया गया।

सुबह 4 बजे दूसरी ईसीजी कराई गई। इसकी रिपोर्ट में कोई सुधार नहीं दिखा। डॉक्टरों द्वारा सीपीआर सहित सभी संभव प्रयास किए गए, लेकिन मरीज को बचाया नहीं जा सका। महिला की मौत की सूचना मिलने पर परिजन भड़क गए। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात जूनियर और सीनियर महिला डॉक्टरों के साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोपियों ने जूनियर रेजिडेंट कुलदीप जोशी से मारपीट की और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। नर्सिंग स्टाफ के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया।

डॉक्टरों ने दी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

मारपीट की घटना के बाद खंडवा मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों ने नारेबाजी करते हुए थाना मोघट रोड तक रैली निकाली और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। डॉक्टरों ने पुलिस को घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा है।ड्यूटी डॉक्टर कुलदीप जोशी ने बताया कि मरीज के साथ आए तीन अटेंडर में से एक ने उन पर हमला किया। आरोपी ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की, कुर्सी फेंकी और ईसीजी मशीन तोड़ दी। डॉ. जोशी ने कहा कि आईसीयू में मौजूद अन्य गंभीर मरीजों की जान को भी खतरा था।जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन ने डॉक्टर्स के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण की मांग की है और आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

किडनी मरीज की मौत, परिजनों ने किया अस्पताल का घेराव-इलाज में लापरवाही का लगाया आरोप

दतिया जिला अस्पताल के मेल वार्ड में भर्ती एक 26 साल के युवक की सोमवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद नाराज परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर कोतवाली पुलिस और एसडीएम संतोष तिवारी मौके पर पहुंचे और लोगों से बात की। खंडवा पुलिस ने सेंट रिचर्ड पम्पुरी अस्पताल के डॉ. शेख वाजिद पर केस दर्ज किया है।

राजगढ़ जिले के नेता एवं कार्यकर्ताओं ने की मंत्री टेटवाल से की सौजन्य भेंट

भोपाल। राजधानी भोपाल के चार इमली स्थित अपने निवास पर कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री, राजगढ़ जिले की सारंगपुर विधानसभा से विधायक श्री गौतम टेटवाल से भाजपा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भेंट की एवं पुष्प गुच्छ देकर उनका भव्य स्वागत किया। राजगढ़ जिले के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्री टेटवाल से भेंट कर उज्जैन के साथ ही उन्हें बड़वानी जिले का अतिरिक्त जिला प्रभारी मंत्री बनाए जाने की बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं। नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मंत्री श्री टेटवाल के सुपुत्र विधायक प्रतिनिधि श्री पृथ्वीराज टेटवाल उर्फ मोंटी से भी भेंट की। इस अवसर पर सर्व श्री

गिरवर भंडारी भाजपा मंडल अध्यक्ष,

राजेंद्र सिंह भिलाला जनपद सदस्य, शिवसिंह पाल सरपंच, भगवानसिंह नागर सरपंच, राजेंद्र सिंह राजपूत, हेमराज सिंह नागर, भाजपा नेता एवं पत्रकार राजेश भंडारी, प्रेम कुशवाह दिनेश नागर, केशर सिंह पटेल आदि उपस्थित रहे।

विदिशा पुलिस ने शुरू किया हरियाली महोत्सव 2025- थाना परिसरों में लगाए पौधे,पुलिस कर्मियों को सौंपी जिम्मेदारी, 7 जुलाई तक चलेगा वृक्षारोपण

विदिशा (संवाददाता)। विदिशा पुलिस ने पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर हरियाली महोत्सव-2025 के तहत जिले में वृक्षारोपण अभियान शुरू किया है। ये अभियान 7 जुलाई तक चलेगा। एसपी रोहित काशवानी के मार्गदर्शन में अभियान की चौकी हेलोडोरीयस और थाना करारिया चौराहा में शुरुआत हुई। एएसपी डॉ. प्रशांत चौबे और नगर एसपी अतुल सिंह ने हेलोडोरीयस चौकी में पौधे लगाए। टीआई कोतवाली आनंद राज भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

हरियाली बढ़ाने का लिया संकल्प

करारिया चौराहा पर टीआई मोहम्मद जमील खान के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। पुलिस कर्मियों को लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसपी रोहित काशवानी ने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की है।

किसानों को बांटे नीम के पौधे, खाद भी दिया

सांची । अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर किसानों को नीम के पौधे और खाद वितरित किए गए। यह वितरण सांची, सलामतपुर, पग्नेश्वर और दीवानगंज की सहकारी समितियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में इफको की ओर से पौधे उपलब्ध कराए गए। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के निर्देश पर यह आयोजन सहकारिता मंत्रालय के चतुर्थ स्थापना दिवस पर हुआ। सांची सहकारी समिति में किसानों को खाद के साथ नीम के पौधे दिए गए। इस मौके पर जिला सहकारी बैंक के प्रबंधक इमरान जाफरी मौजूद रहे।

बेगमगंज में सबसे ज्यादा, रायसेन तहसील में सबसे कम बारिश

रायसेन (संवाददाता)। रायसेन में बारिश जारी है। जिले में 1 जून से 1 जुलाई तक 236.5 मिमी (9.3 इंच) औसत बारिश दर्ज की गई है। ये पिछले साल की इसी अवधि से 134.8 मिमी (5.3 इंच) ज्यादा है। जिले में सबसे ज्यादा बारिश बेगमगंज तहसील में 391.4 मिमी (15.4 इंच) दर्ज की गई। उदयपुरा में 346 मिमी (13.6 इंच) और सुल्तानपुर में 262.4 मिमी (10.3 इंच) पानी गिरा है। बरेली में 229.6 मिमी (9 इंच), सिलवानी में 224 मिमी (8.8 इंच), बाड़ी में 216 मिमी (8.5 इंच), गैरतगंज में 189.8 मिमी (7.5 इंच), गौहरगंज में 179 मिमी (7 इंच), रायसेन में 164 मिमी (6.5 इंच) और देवरी में 162.5 मिमी (6.4 इंच) बारिश दर्ज की गई।

उदयपुरा में 5 इंच गिरा पानी

पिछले 24 घंटों में जिले में 33.2 मिमी (1.3 इंच) औसत बारिश हुई। इस दौरान सबसे ज्यादा बारिश उदयपुरा में 126 मिमी (5 इंच) दर्ज की गई। बेगमगंज में 58.3 मिमी (2.3 इंच) और बरेली में 45.6 मिमी (1.8 इंच) गिरा पानी।

अगले 4 दिन ऐसा ही मौसम रहने की संभावना

मौसम विभाग ने आज भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

10 साल के बच्चे को सोते समय सांप ने काटा-इलाज के दौरान दम तोड़ा, बैतूल के मोहदा की घटना

बैतूल (संवाददाता)। बैतूल जिले के मोहदा थाना क्षेत्र के जीरुढाना गांव में मंगलवार रात एक 10 वर्षीय बच्चे की सांप के काटने से मौत हो गई। बच्चा रात में घर के अंदर बिस्तर पर सो रहा था, तभी जहरीले सांप ने उसे डस लिया। परिजनों ने बताया कि शिवराज यादव घर में बिस्तर पर सो रहा था, तभी अचानक उसने दर्द की शिकायत की। उठकर देखा तो एक सांप उसके बिस्तर पर और दूसरा नीचे था। परिजन तुरंत उसे भीमपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। भीमपुर में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने शिवराज को बैतूल जिला अस्पताल रेफर किया। वहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। शिवराज के पिता गबुलाल यादव किसान हैं। परिवार के अनुसार शिवराज दो भाइयों में बड़ा था और इस साल वह छठवीं कक्षा में गया था। बेटे की मौत से पूरा परिवार सदमे में है। घटना के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आसपास के इलाके में सांप की मौजूदगी को लेकर जांच की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें। विशेषज्ञों ने सांप काटने से बचने के लिए कुछ उपाय बताएं है। जिसमें बताया गया है कि घर के आसपास और अंदर साफ-सफाई रखें, रात में पर्याप्त रोशनी रखें, सोने से पहले बिस्तर की जांच करें, जूते पहनकर ही घर से बाहर निकलें और सांप दिखे तो वन विभाग को तुरंत सूचना दें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698